कमल संदेश

ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDI : +91(11) 23387887

पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय–सूची

विधानसभा चुनाव

असम विधानसभा चुनाव–प्रचार........ 6
पं. बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार........ 10

संगठनात्मक गतिविधियां

भाजपा स्थापना दिवस........ 12

सरकार की उपलब्धियां

यूआईडीएआई के 'आधार' ने छुआ 1 अरब का आंकड़ा........ 14
2022 तक सबके लिए आवास........ 15
'स्टैंड अप इंडिया' का शुभारम्भ........ 16

वैचारिकी

एकात्म मानववाद की अवधारणा
– **दत्तोपंत ठेंगड़ी**........ 17

श्रद्धांजलि

कमला आडवाणी नहीं रहीं........ 19
वरिष्ठ भाजपा नेता लालमुनि चौबे का निधन........ 19

लेख

बजट बिना एक राज्य
– **अरुण जेटली**........ 20
वह भारत को सुरक्षित व समृद्ध छोड़ गये अपनी शहादत से
– **अम्बा चरण वशिष्ठ**........ 21

अन्य

प्रधानमंत्री की बेल्जियम, अमरीका और सउदी अरब यात्रा........ 23
महामंत्री प्रतिवेदन........ 28

कमल संदेश के सभी सुधी पाठकों को

वैशाखी

की हार्दिक शुभकामनाएं!

फेसबुक

सोशल मीडिया से...

twitter

श्री नरेंद्र मोदी

वाम और तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के गरीबों के साथ काफी अन्याय किया है। भाजपा पश्चिम बंगाल की सेवा और राज्य के युवाओं की आकांक्षाओं व सपनों को पूरा करने के लिए एक अवसर चाहती है। पश्चिम बंगाल में जो सत्ता में हैं, उन्होंने चिट-फंड के माध्यम से लोगों के पैसे छीनने का काम किया है। हमने गरीबों को बैंक खाते देने और उन्हें सशक्त करने के लिए जन-धन योजना शुरू की।

श्री अमित शाह

हमने अपने विजन डॉक्युमेंट में असम के विकास की रूपरेखा खींची है और इसके अनुरूप ही असम के विकास के लिए हम कृतसंकल्पित हैं। असम के विकास के लिए केंद्र सरकार लाखों करोड़ों रुपये राज्य सरकार को भेजती है, लेकिन सारा पैसा राज्य की जनता के विकास के बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। बांग्लादेशी घुसपैठ असम के युवाओं के रोजगार, उनकी प्रगति की संभावनाएं और असम की लोक-संस्कृति के विकास के लिए भी खतरा है। हम असम को घुसपैठ से पूर्ण रूप से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, पर बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस का मौन कई सवाल खड़े करता है।

राजनाथ सिंह *@BJPRajnathSingh*

भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो असम में सुशासन और विकास प्रदान कर सकती है। राज्य में परिवर्तन के लिए असम के लोग तैयार हैं।

श्री अरुण जेटली *@arunjaitley*

'ऑटोमैटेड वे' के जरिए 37,870 करोड़ रुपए का आईटी रिफंड जारी किया गया- 30 दिनों के अंदर 67 प्रतिशत। ट्रांस्फॉर्मिंग इंडिया और पारदर्शी कर प्रणाली के लिए एक मील का पत्थर।

रविशंकर प्रसाद *@rsprasad*

स्पीड पोस्ट, भारत की सबसे तेज और सबसे विश्वसनीय कूरियर सेवा, अब आधुनिक सुविधाओं के साथ उपलब्ध है।

पाथेय

हम यह न भूलें कि भाजपा एक अलग किस्म की पार्टी है और रहेगी। हम अपनी इस पहचान को नहीं खो सकते हैं। यदि हमें एक और पार्टी बन कर रह जाना है और चुनाव भर जीतना है तो इस प्रकार की विजयों का कोई मतलब नहीं रह जाता है और उन करोड़ों लोगों के लिए तो और भी सांत्वना की बात नहीं होगी, जिन्होंने पिछले अनेक दशकों में हमसे आशाएं और आकांक्षाएं बना रखी हैं तथा हमें अपना पूर्ण समर्थन दिया है।

- कुशाभाऊ ठाकरे

सम्पादकीय

36 वर्षों की यात्रा में भाजपा बनी देश की आशा

भारतीय जनता पार्टी ने इस वर्ष 6 अप्रैल को अपनी यात्रा के 36 वर्ष पूरे कर लिए। राष्ट्र निर्माण को पुन:समर्पित होने के संकल्प के साथ इसी दिन 1980 को नई दिल्ली में भाजपा का गठन हुआ था। जनता पार्टी का प्रयोग विफल हो चुका था तथा कुछ निहित स्वार्थी तत्वों के द्वारा 'दोहरी सदस्यता' का विवाद खड़ा होने के बाद पूर्व जनसंघ के सदस्यों के सामने और कोई रास्ता नहीं बचा था। श्री अटल बिहारी वाजपेयी इसके पहले अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा श्री लालकृष्ण आडवाणी, डा. मुरली मनोहर जोशी, राजमाता विजय राजे सिंधिया, श्री भैरों सिंह शेखावत, श्री कुशाभाऊ ठाकरे, श्री सुंदर सिंह भंडारी जैसे नेताओं के साथ यह यात्रा शुरू हुई, जो आज भी हर कार्यकर्ता को प्रेरणा देती है। यह कदम भाजपा के राष्ट्रीय हित पर अडिग रहने एवं दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक था। उन्होंने हर चुनौती को अवसर में बदलते हुए जनविश्वास प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया।

2014 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने केन्द्र में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनायी। इस जीत का सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लगभग तीन दशकों बाद किसी पार्टी को जनता ने अकेले पूर्ण बहुमत दिया। यह पार्टी के लिये अत्यंत उत्साहवर्धक जीत थी, जिसमें भाजपा को 282 तथा एनडीए को 336 सीटें मिली। इसके अलावा अनेक राज्यों में पार्टी की सरकार बनीं और आज इसके पास सर्वाधिक संख्या में सांसद, अनु.जा./अनु.जन.जा. के सांसद तथा विधायक हैं। पार्टी ने पंचायत चुनावों से लेकर लोकसभा चुनावों तक अपनी छाप छोड़ी है। इस क्रम में पार्टी ने न केवल नए क्षेत्रों में प्रवेश किया, बल्कि इसका विस्तार अब देश के हरेक भाग में हो चुका है। पहले जहां स्थिति मजबूत थी, वहां पार्टी और अधिक सुदृढ़ हुई है। इतना ही नहीं, अब भाजपा चीन के कम्युनिस्ट पार्टी को पीछे छोड़ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। यह सब भाजपा के लिये जबरदस्त उपलब्धियां हैं, जिसने भारतीय राजनीति में कांग्रेस के वर्चस्व को तोड़ दिया।

भाजपा भारतीय राजनीति की धारा मोड़ने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने विचारधारा पर अडिग रहने के लिये जानी जाती है। जनसंघ जिसका विलय जनता पार्टी में राष्ट्रीय हित एवं लोकतंत्र की रक्षा हेतु हुआ था, इसने देश के सामने एक राजनैतिक विकल्प रखा। कांग्रेस के वर्चस्व के सामने जनसंघ ने वैचारिक एवं चुनावी दोनों चुनौतियां रखीं। भाजपा ने सफलतापूर्वक जनसंघ की विरासत को आगे बढ़ाया तथा देश में विकास केन्द्रित राजनीति की नींव रखी। इसने राष्ट्रवाद तथा लोकतंत्र को देश की राजनीति का केन्द्र बना दिया तथा विभाजनकारी ताकतों को समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब देते हुए विकास एवं सुशासन के मंत्र पर देश का मार्ग प्रशस्त किया।

आज भाजपा-नीत एनडीए सरकार ने आशा एवं विश्वास के वातावरण का निर्माण कर देश की राजनीतिक व्यवस्था की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण पहलों के कारण देश एक नये युग में प्रवेश कर चुका है। आज जबकि विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रहा है, भारत विश्व की सबसे तेज विकास गति हासिल कर तीव्रता से विकास के पथ पर अग्रसर है। विश्व स्तर पर भारत की स्थिति प्रधानमंत्री के विदेश दौरों से सुदृढ़ हुई है तथा विदेश नीति के सुपरिणाम अब दिखने लगे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र गांव, गरीब एवं किसान के लिए समर्पित है। सरकार की प्राथमिकता दलित, आदिवासी एवं युवाओं का सशक्तिकरण है। अपनी 36 वर्षों की यात्रा में भाजपा देश की आशा बन गई है तथा लोग भाजपा नेतृत्व पर अपना विश्वास निरंतर व्यक्त कर रहे हैं। भाजपा पर अब एक सशक्त, समृद्ध एवं वैभवशाली भारत के निर्माण का दायित्व है। ■

असम विधानसभा चुनाव-प्रचार

सर्बानंद के नेतृत्व में असम में आनंद ही आनंद होगा : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने असम विधानसभा चुनाव प्रचार के निमित्त रंगपारा और पंचग्राम में दिनांक 27 मार्च 2016 को आयोजित रैली को संबोधित करते हुए कहा कि असम में बदलाव की बयार बह रही है जो कांग्रेस को और इसके 15 साल के कुशासन को जड़ से उखाड़ फेंकेगी एवं असम में विकास का अभ्युदय होगा। अब कांग्रेस को उसके पापों की सजा भुगतनी ही पड़ेगी।

सर्बानंद के नेतृत्व में असम में आनंद ही आनंद होगा, ये मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।

गोगोई साहब कहते हैं कि उनकी लड़ाई मोदी से है। हमारी संस्कृति कहती है कि बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए, लड़ाई नहीं। हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार, गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, बेईमानी और अंधश्रद्धा से है।

कल गोगोई जी ने बोल दिया कि मोदी जी को विकास दिखता नहीं, क्योंकि उनकी आंखों में मोतियाबिंद है लेकिन अगर कोई व्यक्ति अंधा भी हो तो भी उसे यह पता चल जाएगा कि असम में कितना विकास हुआ है। ये असम की जनता का अपमान है।

आप चाहे बिजली काट दो या अंधेरा कर दो लेकिन काले कारनामे दिख ही जाएंगे। हिन्दुस्तान की जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से भलीभांति परिचित है। इस बार के चुनाव में जनता असम में कांग्रेस का पूरी तरह से सफाया कर देगी।

बैंकों का पैसा लेकर भागने वालों से पैसे वापस लाकर रहूंगा। वह पैसा बैंकों का नहीं, देश के गरीबों का है। उन्होंने अमीरों के लिए पैसे लुटाने को बैंक खोले, हमने गरीबों के लिए बैंकों में खाते खुलवाए।

पहले सारा देश बिचौलिए चलाते थे, जब से मोदी आया है, बिचौलियों की दुकानें बंद हो गई हैं। इसलिए ये चिल्ला रहे हैं और दिन-रात मोदी को बदनाम करने में लगे हुए हैं।

60 सालों तक कांग्रेस ने गरीबों के नाम पर राजनीति कर ली, यह अब नहीं चलनेवाला।

कांग्रेस को जहां से वोट पाने की उम्मीद होती है, वह वहीं के सरकारी योजनाओं पर खर्च करती है। असम में लगभग एक करोड़ से अधिक लोग अभी भी गरीबी रेखा से नीचे जीने को विवश हैं। चायबागानों में काम करने वाले मेहनतकश लोगों की स्थिति दयनीय है। बेरोजगारी और अशिक्षा का बोलबाला है, तरुण गोगोई जी की सरकार ने असम के गरीबों के सपने को चूर-चूर करके रख दिया है। गो-गो सर बड़े जादूगर हैं, इन्होंने असम में लगभग 32000 कारखानों पर ताले लगा दिए।

मैं विकास के अपने तीन एजेंडे पर काम कर रहा हूं - पहला है विकास, दूसरा है तेज गति से विकास और तीसरा है चारों तरफ विकास।

आज दुनिया भर में भारत की जय-जयकार हो रही है, यह मोदी की जयकार नहीं, सवा सौ करोड़ हिन्दुस्तानी जनता की जय-जयकार है।

हम 'ए फॉर असम' का सपना लेकर चले हैं।

इस बार असम में विकास का एक नया युग आरम्भ करने एवं राज्य में विकास की प्रतीक भाजपा गठबंधन की बहुमत की सरकार बनाने के लिए बटन दबाना है।

तिनसुकिया, माजुली, बिहपुरिया और बोकाखाट की रैली

विकास, तेज गति से विकास और चारों तरफ विकास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा असम के तिनसुकिया, माजुली, बिहपुरिया और बोकाखाट की रैली एवं जोरहाट में बुद्धिजीवी वर्ग के सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार के विकास के तीन एजेंडे हैं- विकास, तेज

गति से विकास और चारों तरफ विकास। यदि हमें सारी समस्याओं से मुक्ति चाहिए तो उसके निदान के लिए एक ही जड़ी बूटी है और वह है - विकास, विकास और विकास।

हम सामान्य मानवीय जीवन में बदलाव लाने के कई सारे उपायों पर तेज गति से काम कर रहे हैं और इसका व्यापक असर भी देखने को मिल रहा है। हां, वैसे लोगों की परेशानियां जरूर बढ़ गई हैं जिनका मलाई खाना बंद हो गया है।

हमने सुना है कि कांग्रेस में पैसे खाने की आदत है, उनमें कहीं से कुछ भी मार लेने की आदत है, लेकिन मुझे यह नहीं मालूम था कि कांग्रेस की सरकारें द्वीपों तक को भी खा जाती हैं।

बुजुर्गों को प्रणाम करना हमारा संस्कार है, उनसे लड़ाई करना नहीं। मेरी लड़ाई सीएम तरुण गोगोई जी से नहीं है, मेरी लड़ाई गरीबी और भ्रष्टाचार से है। हम सबको मिलकर असम की भलाई के लिए गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, भाई-भतीजावाद और परिवारवाद से लड़ना है। असम का भाग्य बदलने के लिए हम सबको मिलकर, कंधे से कंधा मिलाकर काम करना जरूरी है। असम में परिवर्तन की आंधी चल रही है। इस बार असम की जनता ने राज्य में भाजपा गठबंधन की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

आजादी के समय देश के जो सबसे पांच खुशहाल राज्य थे उनमें से एक असम भी था लेकिन अब असम की गिनती 5 सबसे गरीब राज्यों में होती है। अमीर राज्य को गरीब बनाने का पाप कांग्रेस ने किया है।

क्या कारण है कि भरपूर प्राकृतिक सम्पदा के बावजूद असम में गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ापन इतने चरम पर है, असम की इस बर्बादी का जिम्मेदार आखिर कौन है? असम में 15 साल से कांग्रेस की ही सरकार है, 10 वर्षों तक असम से ही प्रधानमंत्री रहे, फिर भी असम विकास के दौर में काफी पीछे है। असम के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी गई राशि को भी असम की गोगोई सरकार खर्च तक नहीं कर पाती। श्री गोगोई अपने 15 साले के कारनामों का हिसाब तो दे नहीं रहे, उलटे केंद्र सरकार से सवाल - जवाब कर रहे हैं।

आजादी के 60 वर्षों बाद भी असम की लगभग आधी से अधिक आबादी अंधेरे में जीने को विवश है। असम के कई गांव ऐसे हैं जहां बिजली आज तक नहीं पहुंची है। प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग के मामले में असम का आंकड़ा देश के औसत के आधे से भी कम है।

आपने कांग्रेस को अच्छा करने की उम्मीद से 60 साल दिए, मैं आपसे बस पांच साल मांगने आया हूं। आप हमें बस एक मौका दें, मैं आपके 60 साल के दर्द दूर कर दूंगा। मुझे आप लोगों को अन्याय से मुक्ति दिलानी है। एक बार असम के लोग राज्य में भाजपा की सरकार ले आएं, जो 60 साल में नहीं हुआ, हम 5 साल में करके दिखा देंगे।

नीतियों का जितना महत्त्व होता है, उसके कहीं अधिक महत्त्व नीयत का होता है। हिन्दुस्तान में जहां-जहां भी भाजपा सरकारें हैं, वहां तेज गति से प्रगति हो रही है, विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं लेकिन जिन-जिन प्रदेशों में भाजपा सत्ता में नहीं हैं, वहां विकास का ग्राफ लगातार नीचे जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि इस बार के विधान सभा चुनाव में सिर्फ सरकार बनाने के लिए बटन नहीं दबाना है, बल्कि असम में विकास का एक नया युग आरम्भ करने के लिए बटन दबाना है। ■

असम विधानसभा चुनाव-प्रचार

मुकाबला भाजपा के विकास और कांग्रेस सरकार के कुशासन एवं भ्रष्टाचार के बीच : अमित शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने असम के राताबारी, हैलाकांडी, ढोलाई और बोरखोला में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और राज्य की जनता से भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार को जड़ से उखाड़ कर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई एवं श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में एक मजबूत और विकसित असम के नवनिर्माण का आह्वान किया।

कांग्रेस द्वारा राज्य की जनता से किये गए 2 रुपये प्रति किलो चावल देने के थोथे वादे पर राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सस्ते चावल तो केंद्र सरकार मुहैय्या करा रही है, फिर राहुल गांधी इसकी डींगें क्यों हांकते हैं? उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा असम के विकास के लिए दी गई सहायता राशि तक को असम की तरुण गोगोई सरकार खर्च नहीं कर पाती। लगभग दो तिहाई से अधिक राशि बैंकों में पड़ी सड़ रही है। उन्होंने कहा कि असम में लगभग एक करोड़ से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीने पर मजबूर है। लोगों को पीने योग्य पानी मयस्सर नहीं है, बिजली नहीं है, गांवों में पक्की सड़कें नहीं हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य की हालत अत्यंत ही दयनीय है, महिलाओं पर रोज अत्याचार हो रहे हैं, अधिकांश महिलायें अनीमिया की शिकार हैं लेकिन तरुण गोगोई जी को कोई चिंता ही नहीं है।

जनता से भाजपा को वोट देने का अपील करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आपके एक वोट से चार-चार समस्याओं का समाधान होगा। पहला - बांग्लादेशी घुसपैठ से मुक्ति, दूसरा - चाय बागानों में काम करनेवाले मेहनतकश लोगों के जीवन में सुधार, तीसरा - असम का सर्वांगीण विकास और चौथा - जनसेवक जैसा प्रतिनिधि जो अपने-अपने क्षेत्र के विकास के लिए एवं जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि हमें राज्य की सभी समस्याओं का निपटारा चाहिए, कानून व्यवस्था में सुधार चाहिए, सम्मान से जीने का हक चाहिए, असम का खोया हुआ गौरव और प्रतिष्ठा चाहिए तो हमें राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी होगी और मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम असम को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाकर आपकी सेवा में समर्पित करेंगें। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि गोगोई जी थक गए हैं, उन्हें अब आराम करने दीजिये, श्री सर्बानंद के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनाकर असम को विकास के पथ पर अग्रसारित कीजिये।

नाओबोइचा, धकुआखाना, सोतिया और ढेकियाजुली

'कांग्रेस ने जनता के लिए कुछ नहीं किया, बस अपनी तिजोरी भरने का काम किया'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने असम के नाओबोइचा, धकुआखाना, सोतिया और ढेकियाजुली में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और राज्य की जनता से भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार को जड़ से उखाड़ कर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में एवं श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में एक मजबूत और विकसित असम के नवनिर्माण का आह्वान किया।

जनता को सम्बोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि हम असम की अस्मिता और यहां के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, हम हर परिस्थिति में असम की जनता के साथ खड़े हैं – कच्छ हो या गुवाहाटी, अपना देश अपनी माटी। राज्य में घुसपैठ की समस्या पर कांग्रेस को आड़े-हाथों लेते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि असम के युवाओं की सारी रोजगारी तो बांग्लादेशी घुसपैठिए छीन लेते हैं। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो बस एक बार वह यह तो बोलें कि वे असम में घुसपैठ पूरी तरह से रोक देंगे। श्री शाह ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी ऐसा नहीं बोल सकते, क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा से वोट बैंक की राजनीति की है और उन्हें बस वोट चाहिए। उन्होंने कहा कि गोगोई जी और एआईयूडीएफ के चीफ बदरुद्दीन अजमल दिन में तो एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते हैं, लेकिन रात में मिलकर सरकार बनाने की तैयारी करते हैं, ऐसे में कांग्रेस से असम में घुसपैठ की समस्या पर अंकुश लगाने की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा की चिंता कांग्रेस और असम सरकार को है ही नहीं। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा-गठबंधन की सरकार राज्य में आयी तो बांग्लादेश के साथ राज्य की लगने वाली सीमा को इस तरह सील कर दिया जाएगा कि परिंदा भी पर मार नहीं सकेगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठ की समस्या देश की सुरक्षा के लिए खतरा है और हम देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

'यदि भ्रष्टाचार के क्षेत्र में कोई अवार्ड दिया जाय तो भ्रष्टाचार शिरोमणि का अवार्ड तरुण गोगोई को दिया जाएगा'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने असम के शिवसागर और सोनारी में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और असम की जनता से राज्य की भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ कर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एक मजबूत और विकसित असम के नवनिर्माण का आह्वान किया।

श्री शाह ने कहा कि इन 15 वर्षों में देश के भाजपा शासित राज्यों ने विकास की एक नई मंजिल तय की है, विकास को हर गांव तक, हर गरीब तक पहुंचा कर विकास का एक नया मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि प्रगति और भाजपा एक दूसरे के परिचायक हैं। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में भी जनता ने एक बार भाजपा को शासन का मौका दिया, भाजपा वहां बार-बार चुनकर आई, क्योंकि हम 'सबका साथ – सबका विकास' में यकीन रखते हैं। उन्होंने कहा कि असम की तरुण गोगोई सरकार भ्रष्टाचार में नंबर एक सरकार है। उन्होंने कहा कि असम सरकार कभी भी परियोजनाओं के काम पूरा होने की वर्क कम्प्लीशन रिपोर्ट केंद्र को सौंप ही नहीं पाती, वह भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकारों को खुद के लिए नहीं, लोगों की भलाई के लिए काम करना चाहिए लेकिन असम की तरुण गोगोई सरकार प्रदेश की जनता के कल्याण के बजाय अपनी तिजोरी भरने में लगी हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि असम एक बेहतर संभावनाओं वाला प्रदेश है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि असम में राज्य के विकास के लिए समर्पित सरकार का गठन हो और वह सरकार सही दिशा में सही सोच के साथ काम करे और प्रदेश में एक भ्रष्टाचार विहीन शासन दे सके।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यदि ऐसा होता है तो असम को देश का सबसे समृद्ध प्रदेश बनने से कोई नहीं रोक सकता। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी असम के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए राज्य में केंद्र की योजनाओं को जमीन पर उतार कर प्रदेश को विकास के पथ पर गतिशील करनेवाली सरकार की जरूरत है। ■

पं. बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार

सारी समस्याओं का समाधान विकास में : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर खड़गपुर में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चौंतीस वर्षो के कम्युनिस्टों के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में जितनी बर्बादी हुई, उससे भी कहीं ज्यादा बर्बादी पिछले पांच वर्षो में मां, माटी और मानुष की राजनीति करने वालों ने कर दी है। बर्बादी का ऐसा मंजर देश के किसी राज्य ने नहीं देखा जितना पश्चिम बंगाल ने देखा है।

अगर पश्चिम बंगाल की जनता तय कर ले तो राज्य में भाजपा की सरकार चुटकियों में बन सकती है, अगर ऐसा देश में हो सकता है तो फिर पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं। मैं आपको विश्वास दिलाने आया हूं, आप हमें एक मौका दीजिये, मैं एक नया बंगाल बनाकर आपको दूंगा।

ज्ञान, बुद्धि, तर्क और तत्त्वज्ञान – अगर इनमे सबसे ज्यादा ताकतवर प्रदेश कोई है तो वह बंगाल है। कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने बंगाल की बुद्धिमत्ता को चुनौती देकर बंगाल और बंगालियों का अपमान किया है। कांग्रेस और कम्युनिस्ट – दोनों केरल में तो कुश्ती करते हैं, पर बंगाल में दोस्ती करते हैं। उन्हें खुलकर अब यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि वे अवसरवाद की राजनीति करते हैं और सत्ता सुख के लिए किसी भी निचले स्तर तक जा सकते हैं।

कहते हैं कि दीदी ने एक मीटिंग में कहा था, बंगाल को कम्युनिस्टों से खतरा नहीं है, खतरा भाजपा से है, इसे हराना है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को जिस तरह से इन पांच वर्षो में प्रताड़ित किया गया, इससे साफ पता चलता है कि इनको हमारी ईमानदारी से कितना डर लगता है। यह सही भी है, भ्रष्टाचार में लिप्त रहने वालों को डर लगना ही चाहिए।

एक जमाना था जब बंगाल उद्योगों की राजधानी हुआ करती थी। पहले तो लेफ्ट ने उसकी कमर तोड़ दी, बाद में दीदी ने उसे कब्रिस्तान बना दिया। यहां बेरोजगारी, अशिक्षा और गरीबी चरम पर है।

बंगाल में परिवर्तन तो आया, लेकिन वह दीदी के स्वभाव, इरादों, कार्यशैली में आया, बंगाल में कोई परिवर्तन नहीं आया, लोकतंत्र में ऐसा परिवर्तन नहीं चाहिए।

चाहे परिवहन के क्षेत्र में हो या शिक्षा के क्षेत्र में, चाहे स्वास्थ्य की बात हो या फिर ऊर्जा की बात–पश्चिम बंगाल पांच साल पहले जहां था, आज भी वहीं खड़ा है तो फिर परिवर्तन कहां आया? हां, पश्चिम बंगाल में एक उद्योग जरूर फल फूल रहा है–वह है देसी बम बनाने का उद्योग। पश्चिम बंगाल में इंसानों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

क्या अपने पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार करने के लिए सरकार बनाई थी? पहले शारदा अब नारदा, पूरी की पूरी

लीडरशिप कैमरा के सामने पैसे ले रही है और पूछ रही है–अगला हफ्ता कब दोगे? बंगाल की जनता के पैसों को लूटकर आपस में बंदरबांट की जा रही है। हमें भी केंद्र में आये हुए दो साल हो गए, एक पैसे के भी भ्रष्टाचार की खबर आई क्या?

भूखा रहना पसंद करेंगें, लेकिन जनता की जेब से एक पैसा भी चोरी करना पसंद नहीं करेंगें।

हम कृषि की भलाई के लिए काम कर रहे हैं, गरीबों के बैंक अकाउंट खोल रहे हैं, दीदी इन अच्छे कामों में भी रुकावट पैदा करने से नहीं चूकती। हम गरीबों को सस्ते चावल देते हैं तो दीदी कहती हैं – मैंने दिया।

मेरा तीन सूत्री एजेंडा है – एजेंडा नंबर वन – विकास, एजेंडा नंबर टू – तेज गति से विकास और एजेंडा नंबर थ्री – चारों तरफ विकास। हमारी सारी समस्याओं का समाधान विकास में ही है।

कौन कहता है – भ्रष्टाचार को रोका नहीं जा सकता – यूपीए सरकार के हाथ कोयले में काले हो गए थे, कैग ने 1.80 लाख करोड़ के घोटाले का आकलन किया। हमने कोयले की नीलामी की, लाखों करोड़ देश के खजाने में जमा

हुए, एक पैसे का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ। हमने देश के पांच करोड़ गरीब परिवारों को फ्री में गैस कनेक्शन पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। हमने गरीब युवाओं के स्वरोजगार के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत की। अगर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना पहले शुरू हो गई होती तो पश्चिम बंगाल में 'शारदा' स्कैम न हुआ होता। पहले की कांग्रेस सरकारें अमीरों के लिए काम करती थी। हमने इस बार के बजट में ऐसा प्रावधान किया है कि छोटे दुकानदार भी सातों दिन और देर रात तक अपनी दुकानें खोल सकते हैं। किसानों को सुरक्षा देने के लिए हमने प्रधानमंत्री फसल बीमा की शुरुआत की। इससे किसानों को किसी भी संकट का सामना करने की हिम्मत मिलेगी।

(प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अजान के सामान में अपना भाषण कुछ देर के लिए स्थगित किया। अजान के बाद अपने भाषण को जारी रखते हुए उन्होंने कहा, अजान चल रही थी, हमारे कारण किसी की पूजा, प्रार्थना में तकलीफ नहीं होनी चाहिए, इसलिए कुछ पल मैंने विराम ले लिया।)

पश्चिम बंगाल की जनता ने भ्रष्टाचार और कुशासन से मुक्ति का मन बना लिया है। आपके भविष्य को जिन्होंने तबाह कर दिया, उनसे हिसाब चुकता करने का समय आ गया है। इस बार राज्य की जनता को गरीबी से मुक्ति और विकास के लिए मतदान करना है। ■

'शारदा' से लेकर 'नारदा' तक, राज्य की जनता कम्युनिस्टों और तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार से लगातार त्रस्त : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के नयाग्राम और रघुनाथपुर में आयोजित सभाओं को संबोधित किया और राज्य की बदहाली के लिए जिम्मेदार तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी पार्टियों व कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जनता से इस चुनाव में सबक सिखाने की अपील की और पश्चिम बंगाल के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का आहवान किया।

श्री शाह ने राज्य की पिछली कम्युनिस्ट सरकार और वर्तमान तृणमूल सरकार पर पलटवार करते हुए कहा कि कम्युनिस्ट और तृणमूल कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, एक ने राज्य में भ्रष्टाचार की शुरुआत की, दूसरे ने तो भ्रष्टाचार की चरम सीमा ही पार कर दी। उन्होंने कहा कि 'शारदा' से लेकर 'नारदा' तक राज्य की जनता कम्युनिस्टों और तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार से लगातार त्रस्त है। उन्होंने कहा कि चिट फंड वालों ने गरीबों की गाढ़ी कमाई को लूट लिया, लेकिन ममता दीदी खामोश बैठी रहीं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को ऐसे लोगों को अपनी पार्टी से निकाल देना चाहिए, जो कैमरे के सामने रंगे हाथों घूस लेते हुए पकड़े गए, लेकिन वह उन्हें पार्टी से निकालेगी नहीं क्योंकि उन्हें डर है कि यदि वह उन पर कार्रवाई करती हैं तो उनकी पार्टी खत्म हो जाएगी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम बंगाल का विकास करना चाहते हैं लेकिन राज्य में एक ऐसी सरकार चाहिए जो केंद्र से कंधे-से-कंधा मिलाकर राज्य के विकास के लिए काम करे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लाखों करोड़ों रूपया देती है लेकिन ममता सरकार यह पैसा राज्य की जनता की भलाई के लिए खर्च ही नहीं करती। उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने किसानों को सुरक्षा कवच देते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत की, मुद्रा बैंक योजना के माध्यम से देश के लाखों युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराई गई, जन-धन योजना के माध्यम से देश के करोड़ों गरीब परिवारों के बैंक खाते खोले गए और सहायता राशि को सीधे उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने की व्यवस्था की गई, युवाओं को प्रशिक्षित कर उनके बेहतर भविष्य के लिए स्किल्ड इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत की गई, लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार रहते इन योजनाओं का राज्य की जनता तक पहुंचना मुमकिन नहीं लगता। राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या पर बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पूरा पश्चिम बंगाल इस गम्भीर समस्या से जूझ रहा है लेकिन प्रदेश की ममता सरकार इस ओर से आंखें मूंदे बैठी है। उन्होंने कहा कि राज्य में यदि भाजपा सत्ता में आती है तो घुसपैठ की समस्या पर पूर्णतया रोक लगाई जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने जनता को संबोधित करते हुए कि पश्चिम बंगाल का विकास न तो कम्युनिस्ट पार्टी कर सकती है और न ही तृणमूल कांग्रेस। उन्होंने कहा कि यदि राज्य के खोये हुए गौरव को कोई सरकार पुनर्स्थापित कर सकती है तो वह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। ■

पार्टी को पंचायत से संसद तक नयी ऊंचाइयों पर पंहुचाएं : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आहवान किया कि अगले 25 साल में पार्टी को पंचायत से संसद तक जीत की नयी उंचाइयों तक पहुंचाये और इसे ऐसी इमारत बनाएं कि दुनिया की हर इमारत छोटी पड़ जाए।

नई दिल्ली में 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर श्री अमित शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा की वर्तमान सफलता को उसका शीर्ष नहीं मानें और आत्मसंतोष और आलसभाव से बचते हुए पंचायत से संसद तक पार्टी को जीत की नयी उंचाइयों तक ले जाएं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह पार्टी का सौभाग्य है कि उसका नेतृत्व नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं जो दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'सत्ता और शासन सुख भोगने के लिए नहीं होता बल्कि गरीबों, दबे कुचले वर्ग के लोगों, पिछड़ों के कल्याण और सेवा के लिए होता है और मोदी-नीत राजग सरकार सामाजिक सुरक्षा पहलों एवं लोक कल्याण योजनाओं के जरिये इसे आगे बढ़ा रही है। श्री शाह ने कहा कि वह आज के समय में पार्टी कार्यकर्ताओं के कार्यो को सौभाग्यशाली मानते हैं क्योंकि वे ऐसे समय में काम कर रहे हैं जो सफलता के दौर में काम कर रहे हैं। लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे सफलता का शीर्ष नहीं समझे बल्कि पार्टी को नयी उंचाइयों तक ले जाएं। अगर हम समझेंगे कि पार्टी सफलता के शीर्ष पर पहुंच गई है तब यह आत्मसंतोष होगा। हम इस नींव पर ऐसी इमारत बनाये कि दुनिया की हर इमारत छोटी पड़ जाए।

भाजपा अध्यक्ष ने इस अवसर पर जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा, 'मैं पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं को नमन करता हूं जिनके अनवरत प्रयास से भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है।' उन्होंने कहा कि यह कार्यकर्ताओं की शक्ति का ही परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा देश की राजनीति का केंद्र बिंदु बनी है।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा की पहचान एक राष्ट्रवादी पार्टी के रूप में है और यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि हम इस पहचान को आगे ले जाएं और राष्ट्रवादी पहचान को सुरक्षित रखें। 'भारत माता की जय' के नारों के बीच उन्होंने कहा, 'आज भाजपा जिस स्थिति में है, वह हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की तीन पीढ़ियों के बलिदान का परिणाम है और भाजपा कार्यकर्ताओं को यह याद रखना चाहिए और उसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। हमें अपनी विशिष्ट पहचान को नहीं खोना चाहिए।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम चतुराई की राजनीति नहीं करते बल्कि चरित्र की राजनीति करते हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं को लोगों एवं सरकार के बीच दूरी को पाटने का काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''आज मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे भाजपा को ऐसी मजबूत पार्टी बनाएं जो आने वाले 25 वर्षों में पंचायत से संसद

देशभर के लोगों का भाजपा में विश्वास : नरेंद्र मोदी

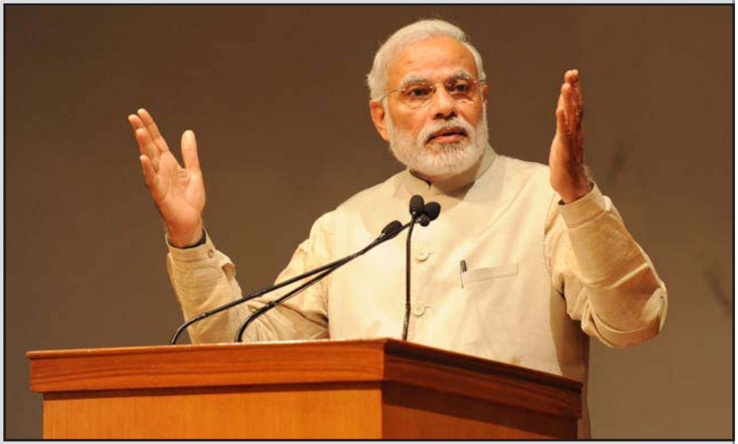

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देशभर के लोगों ने पार्टी में विश्वास जताया है। श्री मोदी ने ट्वीट किया, "कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से अरुणाचल प्रदेश तक देश के लोगों ने भाजपा पर विश्वास जताया और देखिए, पार्टी उनके सपनों को पूरा कर रही है।" प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, "देश के प्रति प्रेम और इसे प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता के साथ कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियों ने अपना जीवन पार्टी के लिए समर्पित कर दिया.. भाजपा के स्थापना दिवस पर मैं उन करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं, जिन्होंने हमेशा पूरे जोश और समर्पण के साथ पार्टी की सेवा की।" श्री मोदी ने भाजपा शासित राज्यों की सरकारों के 'अनुकरणीय' प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने ट्वीट किया, "जब भी भाजपा ने सरकार बनाई है, उन्होंने अनुकरणीय ढंग से लोगों की सेवा की। विभिन्न राज्यों में अपनी सरकार के मुख्यमंत्रियों के प्रदर्शन से भाजपा काफी खुश है।"

उन्होंने कहा, "मेरी शुभकामनाएं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हैं। उनकी लोगों की सेवा और समाज की आकांक्षाओं की पूर्ति के प्रति नि:स्वार्थ यात्रा आज भी जारी है।" ■

~~~~~~~~~~☯☯☯~~~~~~~~~~

➡

तक जीत दर्ज करे। कश्मीर से कन्याकुमारी और असम से गुजरात तक आपकी जिम्मेदारी है कि आप पार्टी का ऐसा ढांचा खड़ा करें जिसके आगे सभी इमारतें छोटी पड़ जाएं।'' श्री शाह ने कहा कि पार्टी अपने सिद्धांतों के साथ खड़ी है, उसकी अलग पहचान है और वह भारत माता को विश्व गुरू के रूप में परिवर्तित करने की राजनीति के साथ राजनीति में है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'भाजपा अलग उद्देश्य के तहत राजनीति में है। अतीत में हमारे नेतृत्व ने सिद्धांत के लिए सत्ता को छोड़ने का निर्णय किया।' उन्होंने कहा कि भारतीय जन संघ और भाजपा की स्थापना वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा के तौर पर की गई थी क्योंकि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा शुरू की गई राजनीति देश के हित में नहीं थी और पश्चिमी विचारधारा से प्रभावित थी। ■
~~~~~~~~~~

भारत के लिए ऐतिहासिक दिन

यूआईडीएआई के 'आधार' ने छुआ 1 अरब का आंकड़ा

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 4 अप्रैल, 2016 को 100वां करोड़ आधार जारी कर एक मील का पत्थर स्थापित किया है। पहला आधार साढ़े पांच वर्ष पहले 2010 में में जारी किया गया था। सरकार द्वारा कुछ दिन पहले ही ऐतिहासिक कानून, आधार अधिनियम 2016 (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ, और सेवाओं के लक्षित वितरण) को अधिसूचित करने के बाद यह उपलब्धि हासिल हुई है। इस समय तक आधार 18 वर्ष से अधिक की 93 फीसदी जनसंख्या को कवर चुका है (2015 की अनुमानित जनसंख्या आंकड़े)।

वर्तमान तिथि तक, 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आधार की संख्या 90 फीसदी पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 13 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह संख्या 75-90 फीसदी के बीच है।

यूआईडीएआई के पास वर्तमान में प्रत्येक दिन 15 लाख से ज्यादा आधार कार्ड जारी करने और प्रेषित करने की क्षमता है। 37,304 नामांकन केंद्र देश भर में फैले हुए हैं और इसमें 3,76,543 प्रमाणित ऑपरेटर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पिछले 2 वर्षो के दौरान आधार के आवेदन पत्रों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। 31 मार्च, 2016 तक आधार कार्ड प्रमाणीकरण के उपयोग से लेनदेन की संख्या 150.6 करोड़ तक पहुंच चुकी है, जो 31 मई, 2014 तक 8.82 करोड़ थी। ई-केवाईसी लेन-देन की संख्या 31 मई, 2014 तक 2.7 लाख थी, जो 31 मार्च, 2016 तक बढ़कर 8.4 करोड़ हो गई।

आधार पेमेंट ब्रिज (एपीबी) को विकसित किया गया है जो लाभार्थी को आधार संख्या के द्वारा उसकी बैंक विवरण को हासिल किए बिना उसके लाभ/अन्य भुगतानों को सीधे लाभार्थी के खाते तक पहुंचाता है। आधार पेमेंट ब्रिज (एपीबी) में वर्तमान में 23 करोड़ लोग अपने बैंक खातों को आधार से जोड़ चुके हैं।

भारत सरकार ने विभिन्न योजनाओं और पहलों को आधार से जोड़कर यूआईडीएआई को नई गति दी है, जिनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), मनरेगा, पेंशन, छात्रवृत्ति, डीबीटीएल, यूएएन (ईपीएफओ), पीडीएस, पासपोर्ट, सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति प्रणाली शामिल हैं।

31 मई, 2014 और 31 मार्च, 2016 के बीच आधार स्थिति की तुलना को नीचे दी गई तालिका द्वारा बेहतर तरीके से समझा जा सकता है-

आधार की उपलब्धियां

- 100 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास आधार है।
- भारत में 73.96 करोड़ (93 फीसदी) वयस्कों के पास आधार है।
- 5-18 वर्ष के 22.25 करोड़ (67 फीसदी) बच्चों के पास आधार है।
- 5 वर्ष से कम आयु के 2.30 करोड़ (20 फीसदी) बच्चों के पास आधार है।
- प्रत्येक दिन 5-7 लाख लोग आधार के लिए पंजीकरण करवा रहे हैं।
- वर्तमान में आधार विश्व का सबसे बड़ा ऑनलाइन डिजिटल पहचान प्लेटफार्म बन गया है।

आधार के लाभ

- डीबीटीएल (पहल) - 14,672 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत।
- पीडीएस - 4 राज्यों, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी और दिल्ली में 2,346 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत।
- छात्रवृत्ति - तीन राज्यों, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पंजाब में 276 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत।
- पेंशन (एनएसएपी) - 3 राज्यों, झारखंड, चंडीगढ़ और पुडुचेरी में 66 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत।

आधार के उपयोग

- 25.48 करोड़ बैंक खाते यूनिक आधार से जुड़ चुके हैं।
- 12.28 करोड़ से अधिक (71 प्रतिशत) एलपीजी कनेक्शन आधार से जुड़ चुके हैं।
- 11.39 करोड़ (45 प्रतिशत) राशन कार्ड आधार से जुड़ चुके हैं।
- 5.90 करोड़ (60 प्रतिशत) नरेगा कार्ड आधार से जुड़ चुके हैं।

आधार प्रमाणीकरण

- यूआईडीएआई द्वारा 150.6 करोड़ से अधिक प्रमाणीकरण लेनदेन किया जा चुका है।
- यूआईडीएआई द्वारा 8.4 करोड़ से अधिक ई-केवाईसी लेनदेन हो चुका है।
- यूआईडीएआई प्रति दिन 40 लाख से अधिक लेन-देन को प्रमाणित करता है। ■

2022 तक सबके लिए आवास

प्रधानमंत्री आवास योजना की ग्रामीण आवास योजना–'ग्रामीण' का क्रियान्वयन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण आवास योजना 'ग्रामीण' के क्रियान्वयन को अनुमति प्रदान कर दी है। इस योजना के तहत सभी बेघर और जीर्ण–शीर्ण घरों में रहने वाले लोगों को पक्का मकान बनाने के लिए वित्तीय

सहायता प्रदान की जाती है। यह प्रस्तावित किया गया है कि परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2016–17 से 2018–19 के कालखंड में एक करोड़ घरों को पक्का बनाने के लिए मदद प्रदान की जाएगी। दिल्ली और चंडीगढ़ को छोड़ कर यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे भारत में क्रियान्वित की जाएगी। मकानों की कीमत केंद्र और राज्यों के बीच बांटी जाएगी।

महत्वपूर्ण बिंदु निम्न है:–

(क) प्रधानमंत्री आवास योजना की ग्रामीण आवास योजना– 'ग्रामीण' का क्रियान्वयन।

(ख) ग्रामीण क्षेत्रों में एक करोड़ आवासों के निर्माण के लिए 2016–17 से 2018–19 तक तीन वर्षो में मदद प्रदान की जाएगी।

(ग) समतल क्षेत्रों में प्रति एकक 1,20,000 तक एवं पहाड़ी क्षेत्रों में 1,30,000 तक सहायता में बढ़ोतरी।

(घ) 21,975 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से की जाएगी।

(ड.) लाभान्वितों की पहचान के लिए सामाजिक–आर्थिक–जातीय जनगणना– 2011 का उपयोग।

(च) परियोजना के तहत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी सहायता हेतु नेशनल टेकनिकल सपोर्ट एजेंसी का गठन।

क्रियान्वयन की रणनीति एवं लक्ष्य:–

- पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए लाभान्वितों की पहचान का कार्य सामाजिक–आर्थिक–जातीय जनगणना की सूचनाओं का प्रयोग कर किया जाएगा।
- पूर्व में सहायता प्राप्त लाभान्वितों एवं अन्य कारणों से अयोग्य लोगों की पहचान के लिए सूची ग्राम सभा को दी जाएगी। अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।
- घरों के निर्माण की कीमत केंद्र एवं राज्य द्वारा समतल क्षेत्रों में 60:40 के अनुपात में तथा पहाड़ी/ उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों हेतु 90:10 के अनुपात में रखी जाएगी।
- लाभान्वितों की वार्षिक सूची की पहचान ग्राम सभा द्वारा सहभागिता पूर्वक की जाएगी। मूल सूची की प्राथमिकता में परिवर्तन के लिए ग्राम सभा को लिखित में न्यायसंगत ठहराना होगा।
- लाभान्वित के खाते में सीधे धनराशि स्थानांतरित की जाएगी।
- फोटोग्राफ एप के माध्यम से अपलोड किए जाएंगे, भुगतान की प्रगति को लाभान्वित एप के माध्यम से देख पाएंगे।
- लाभान्वित मनरेगा के अंतर्गत 90 दिनों के अकुशल श्रम का अधिकारी होगा, सर्वर से लिंक कर तकनीकी आधार पर इसको सुनिश्चित किया जाएगा।
- मकानों की संरचना ऐसी होगी जो क्षेत्रीय आधार पर उपयुक्त हों, मकानों की रचना में ऐसी खासियतें रखी जाएंगी जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से बचा सकें।
- मिस्त्रियों की संख्या में कमी को देखते हुए उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी।
- मकान बनाने में प्रयुक्त सामग्री की अतिरिक्त जरूरत को देखते हुए ईटों के निर्माण हेतु सीमेंट या लाई एश का मनरेगा के अंतर्गत कार्य किया जाएगा।
- लाभान्वित को 70,000 रुपए तक का ऋण लेने की

सुविधा प्रदान की जाएगी।

- मकान का क्षेत्रफल मौजूदा 20 वर्ग मीटर से बढ़ाकर भोजन बनाने के स्वच्छ स्थान समेत 25 वर्ग मीटर तक किया जाएगा।
- परियोजना से जुड़े सभी लोगों के लिए गहन क्षमता सर्जक प्रक्रिया रखी जाएगी।
- जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आवासों के निर्माण हेतु तकनीकी सुविधाएं प्रदान करने के लिए मदद मुहैया कराई जाएगी।
- आवासों के निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एवं केंद्र और राज्य सरकारों को तकनीकी मदद देने के लिए एक नेशनल टेकनीकल सपोर्ट एजेंसी का गठन किया जाएगा।

गौरतलब है कि मकान एक आर्थिक सम्पत्ति है एवं स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालने के साथ ही सामाजिक उन्नति में योगदान देता है। किसी परिवार के लिए रहने का स्थाई मकान होने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ हैं।

निर्माण क्षेत्र भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है। इस क्षेत्र का 250 से भी ज्यादा अधीनस्थ उद्योगों से वास्ता है। ग्रामीण आवास योजना के विकास से ग्रामीण समाज में रोजगारों का सृजन होता है और इससे गांवों के अर्थतंत्र का विकास होता है।

रहने के लिए वातावरण बेहतर होने के अप्रत्यक्ष फायदे श्रम उत्पादकता एवं स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव के रूप में होते हैं। पोषण, स्वच्छता, माता एवं बच्चे के स्वास्थ्य समेत मानव विकास के मापदण्डों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जीवन स्तर बेहतर होता है। ■

दलितों-आदिवासियों-महिलाओं में उद्यमशीलता को बढ़ाने हेतु 'स्टैंड अप इंडिया' का शुभारम्भ

5100 ई-रिक्शा का वितरण, रिक्शा चालकों एवं उनके परिवारों के साथ प्रधानमंत्री की 'चाय पे चर्चा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अप्रैल को 'स्टैंड अप इंडिया' पहल का शुभारम्भ किया, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। इस पहल में हर बैंक शाखा द्वारा

इन श्रेणियों के कम-से-कम दो इच्छुक उद्यमियों को ऋण मुहैया कराने की परिकल्पना की गई है। इसके तहत 10 लाख रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये तक का ऋण दिया जायेगा। इस अवसर पर 5100 ई-रिक्शा का वितरण भी किया गया।

प्रधानमंत्री ने बाबू जगजीवन राम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और विभिन्न आधिकारिक पदों पर रहते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण अवधि में उनके महान योगदान एवं राष्ट्र की सेवा का स्मरण किया।

नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने वालों में तब्दील करने के अपने विजन के बारे में विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टैंड अप इंडिया पहल से दलितों और आदिवासियों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा और भी ज्यादा मजबूत तब होगी, जब इसकी पटकथा गरीबों द्वारा लिखी जायेगी। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से अपने बच्चों, खासकर बालिकाओं को शिक्षित करने का आग्रह किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने 'चाय पे चर्चा' के दौरान कुछ लाभार्थियों के परिवारों से बातचीत की। लाभार्थियों ने यह बताया कि ई-रिक्शा किस तरह से उनके जीवन को बेहतर बनायेगा। प्रधानमंत्री ने विशेष जोर देते हुए उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करेंगे। प्रधानमंत्री ने एक ई-रिक्शा बुक किया और मंच की ओर थोड़ी दूर तक ई-रिक्शा की सवारी की और इसके साथ ही सेलफोन के जरिये इस सवारी का भुगतान किया। ■

वैचारिकी

एकात्म मानववाद की अवधारणा

– दत्तोपंत ठेंगड़ी

भारतीय जनसंघ के पूर्व अध्यक्ष पं. दीनदयाल उपाध्याय मौलिक विचारक थे। उन्होंने 1965 में भारतीय संस्कृति पर आधारित 'एकात्म मानववाद' प्रस्तुत किया। 'एकात्म मानववाद' भाजपा का मूल दर्शन है। हम यहां राष्ट्रवादी विचारक स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा 'एकात्म मानववाद की अवधारणा' पर प्रस्तुत विचार श्रृंखला के अंतिम भाग को प्रकाशित कर रहे हैं:-

मर्यादित सुखोपभोग की व्यवस्था-हमारे यहां भी कहा गया है कि व्यक्ति आर्थिक प्राणी तो है ही, इसमें कोई सन्देह नहीं। ''आहार, निद्रा, भय, मैथुनं च'' की तृप्ति की बात हमारे यहां भी कही गयी है। उनकी पूर्ति तो होनी ही चाहिये। किंतु मनुष्य के लिये इतना ही पर्याप्त नहीं है। मनुष्य आर्थिक-प्राणी से ऊपर भी कुछ है। वह शरीरधारी, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक प्राणी भी है। उसके व्यक्तित्व के अनेकानेक पहलू है। अतः यदि सम्पूर्ण व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का संगठित और एकात्म रूप से विचार न हुआ तो उसको सुख-समाधान की अवस्था प्राप्त नहीं हो सकती।

अपने यहां इस दृष्टि से संगठित एवं एकात्म स्वरूप का विचार हुआ है। व्यक्ति की आर्थिक, भौतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह कहा गया है कि इन वासनाओं की तृप्ति होनी चाहिये, लेकिन यह भी कहा गया है उन पर कुछ वांछनीय मर्यादा भी आवश्यक है। केवल फ्रायड ने ही काम का विचार अत्यन्त गम्भीरता से किया ऐसी बात नहीं है।

हमारे यहां भी काम को मनुष्य के अपरिहार्य आवेग के रूप में स्वीकार कर उस पर गम्भीरता से विचार किया गया है। गीता के तृतीय अध्याय के 42 वें श्लोक में कहा गया है कि:

इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परमनः।
मनसस्तु पर बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः।।

धर्माधिष्ठित जीवन-रचना-अर्थ को भी अपने यहां स्वीकार किया गया है। अर्थशास्त्र की भी रचना हुई है। सबकी भौतिक आवश्यकताओ की पूर्ति इतनी अवश्य होनी चाहिये कि उसके कारण अपना पेट पालने के लिये व्यक्ति को 24 घण्टे चिन्ता करने की आवश्यकता न हो। उसे पर्याप्त अवकाश मिल सके, जिससे वह संस्कृति, कला, साहित्य और भगवान् आदि के बारे में चिन्तनशील हो सके। इस प्रकार अर्थ और काम को मान्यता देकर भी यह कहा गया कि एक-एक व्यक्ति का अर्थ और काम उसके विनाश का कारण न बने या समाज के विघटन का कारण न हो। इस दृष्टि से हमारे यहां के प्राचीन द्रष्टाओं ने विशिष्ट दर्शन दिया था।

अर्थात् इन्द्रियां (विषयों से) ऊपर स्थित हैं, इन्द्रियों में मन उत्कृष्ट है। बुद्धि मन से भी ऊपर अवस्थित है, जो बुद्धि की अपेक्षा भी उत्कृष्ट है- उससे भी गम्य है- वही आत्मा है। परन्तु इस श्लोक मे ''स'' का अर्थ काम अनेक विद्वानों ने बताया है। लेकिन काम को स्वीकार करने पर भी उसे अनियंत्रित नही रहने दिया। भगवान् कृष्ण ने स्वयं कहा कि मैं काम हूं। पर यह भी कहा कि ''धर्माविराद्धोभूतेषु कामोस्मिन् भरतर्षभ।'' अर्थात् मैं काम हूं, काम की पूर्ति भी होनी चाहिये, पर वह धर्म विरुद्ध न हो।

धर्माधिष्ठित जीवन-रचना-अर्थ को भी अपने यहां स्वीकार किया गया है। अर्थशास्त्र की भी रचना हुई है। सबकी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति इतनी अवश्य होनी चाहिये कि उसके कारण अपना पेट पालने के लिये व्यक्ति को 24 घण्टे चिन्ता करने की आवश्यकता न हो। उसे पर्याप्त अवकाश मिल सके, जिससे वह संस्कृति, कला, साहित्य और भगवान् आदि के बारे में चिन्तनशील हो सके। इस प्रकार अर्थ और काम को मान्यता देकर भी यह कहा गया कि एक-एक व्यक्ति का अर्थ और काम उसके विनाश का कारण न बने या समाज के विघटन का कारण न हो। इस दृष्टि से हमारे यहां के प्राचीन द्रष्टाओं ने विशिष्ट दर्शन दिया था। उसमें विश्व की धारणा के लिये शाश्वत नियम और सार्वजनीन नियम देखे थे, उनका दर्शन किया था। उन्हे उन्होंने खोजा, लिखा अथवा संग्रहीत

नहीं किया था अपितु उनका मानस दर्शन किया था। व्यक्ति को विनाश से बचाने के लिये, समाज को विघटन से बचाने के लिये, व्यक्ति के परम उत्कर्ष को प्राप्त करने के लिये सार्वजनिक एवं सार्वदेशिक नियमों के प्रकाश में जो व्यवस्था उन्होंने बनायी उसके समुच्चय को धर्म कहा गया। इस धर्म के अन्तर्गत अर्थ और काम की पूर्ति का भी विचार हुआ। हर एक व्यक्ति परमसुख यानी मोक्ष प्राप्त कर सके, इसका चिन्तन हुआ। इस प्रकार धर्म और मोक्ष के मध्य, अर्थ और काम को रखते हुये चतुर्विध पुराषार्थ की कल्पना अपने यहां रखी गयी। इस समन्वयात्मक, संगठित और एकात्मवादी कल्पना मे व्यक्ति का व्यक्तित्व विभक्त नहीं हुआ। वह आत्मविहीन एव मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ प्राणी न बन सका। इस चतुर्विध पुराषार्थ ने प्रत्येक व्यक्ति को अपनी शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, बौद्धिक क्षमताओं के अनुसार अपना जीवनादर्श चुनने का अवसर दिया और साथ ही व्यक्तित्व को अखण्ड बनाये रखा।

एकात्म मानव दर्शन क्या है?-यह स्मरण रखना चाहिये कि जहां व्यक्ति के व्यक्तित्व रूपी विभिन्न पहलू संगठित नहीं हैं या व्यक्ति संगठित नहीं है, वहां समाज संगठित कैसे हो सकता है? इस संगठित आधार पर ही अपने यहां व्यक्ति से परिवार, समाज, राष्ट्र, मानवता द्वार चराचर सृष्टि का विचार किया गया। एकात्म मानव दर्शन इसी का नाम है। इसके तार्किक अनुक्रम के रूप का भी हम विचार करें तो इस सम्बन्ध में हमें यही दिखेगा कि इसके कारण अलग-अलग इकाइयों से संघर्ष की तो बात है ही नहीं, वे तो एक दूसरे से निकलने वाले विकास क्रम का ही आविष्कार हैं। ऐसी स्थिति मे सभी इकाइयां अपने-अपने क्षेत्र में स्वायत्त किन्तु अपने से ऊपर की इकाइयों के साथ एकात्म होते हुये चल रही हैं। जहां तक मानव समाज-रचना का प्रश्न है, इसका अन्तिम अनुक्रम यही हो सकता है- व्यक्ति, परिवार इसी में आगे बढ़ते-बढ़ते राष्ट्र का राष्ट्रीय शासन और फिर इसी एकात्म मानवदर्शन के आधार पर विश्वराज्य का आविष्कार होगा। वैचारिक जगत में उसका दूसरा तार्किक अनुक्रम अद्वैत सिद्धान्त का साक्षात्कार है।

जहां व्यक्ति के व्यक्तित्व रूपी विभिन्न पहलू संगठित नहीं हैं या व्यक्ति संगठित नहीं है, वहां समाज संगठित कैसे हो सकता है? इस संगठित आधार पर ही अपने यहां व्यक्ति से परिवार, समाज, राष्ट्र, मानवता द्वार चराचर सृष्टि का विचार किया गया। एकात्म मानव दर्शन इसी का नाम है। इसके तार्किक अनुक्रम के रूप का भी हम विचार करें तो इस सम्बन्ध में हमें यही दिखेगा कि इसके कारण अलग-अलग इकाइयों से संघर्ष की तो बात है ही नहीं, वे तो एक दूसरे से निकलने वाले विकास क्रम का ही आविष्कार हैं। ऐसी स्थिति मे सभी इकाइयां अपने-अपने क्षेत्र में स्वायत्त किन्तु अपने से ऊपर की इकाइयों के साथ एकात्म होते हुये चल रही हैं। जहां तक मानव समाज-रचना का प्रश्न है, इसका अन्तिम अनुक्रम यही हो सकता है- व्यक्ति, परिवार इसी में आगे बढ़ते-बढ़ते राष्ट्र का राष्ट्रीय शासन और फिर इसी एकात्म मानवदर्शन के आधार पर विश्वराज्य का आविष्कार होगा।

एकात्म मानव दर्शन की फलश्रुति-अपने इस एकात्म मानवदर्शन के अन्तर्गत अस्तित्व में आने वाला विश्वराज्य कम्युनिस्टों के विश्वराज्य से बिल्कुल भिन्न है। कम्युनिस्टों का विश्वराज्य अनेक केन्द्रों पर निर्भर होगा। कम्युनिस्ट व्यवस्था में वैचारिक आबद्धता के अन्तर्गत एकरूपता दिखायी देगी। किन्तु अपने विश्वराज्य मे ऐसी थोपी गयी एकरूपता नहीं होगी। एकात्म मानवदर्शन प्रत्येक राष्ट्र को अपनी-अपनी प्रकृति और प्रवृत्ति के अनुसार विकास करने की स्वतन्त्रता देगा। जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपने गुण-कर्म के अनुसार विकास कर, विकास का सम्पूर्ण फल समाज-पुरुष को अर्पित करता है, उसी तरह प्रत्येक राष्ट्र अपने को मानवता के साथ अपने को एकात्म समझ ले और सम्पूर्ण मानवता की प्रगति के लिये अपने राष्ट्र की जो विशेषतायें होंगी, प्रगति की जो विशेषतायें होंगी, उसका परिपक्व फल मानवता के चरणों पर अर्पित करेंगे।

इस तरह हर एक राष्ट्र स्वायत्त रहते हुये अपना विकास भी करेगा, किन्तु विश्वात्मा का भाव मन में रहने के कारण एक दूसरे का पोषक, सम्पूर्ण मानवता का पोषक विश्व राज्य, पं दीनदयाल जी के एकात्म मानव दर्शन की रचना की दृष्टि से चरम परिणति होगी।

इसी भांति वैचारिक क्षेत्र में अद्वैत का साक्षात्कार तर्क शुद्ध परिणति है। इतना हम आज ध्यान रखें तो आज की परिस्थिति में जो वैचारिक संभ्रम चारों ओर दिखायी दे रहा है, उस कुहासे को दूर करना कठिन न होगा। ■

समाप्त

कमला आडवाणी नहीं रहीं

पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी की धर्मपत्नी श्रीमती कमला आडवाणी का 6 अप्रैल को नई दिल्ली के एम्स में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। श्रीमती कमला आडवाणी (83) के परिवार में श्री लालकृष्ण आडवाणी के अलावा बेटा श्री जयंत और बेटी श्रीमती प्रतिभा हैं। श्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ उनका 1965 में विवाह हुआ था। पिछले साल परिवार के लोगों और मित्रों के साथ उनकी शादी के 50 साल पूरे होने पर भव्य समारोह आयोजित किया गया था।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्रीमती कमला आडवाणी के निधन पर दु:ख जताया और कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित व उत्साहित किया। श्री मोदी ने ट्वीट किया कि श्रीमती कमला आडवाणी के निधन की खबर सुनकर गहरा दु:ख हुआ। उन्होंने हमेशा कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया और उनमें उत्साह का संचार किया। वे लालकृष्ण आडवाणीजी की शक्ति स्तंभ थी। उन्होंने कहा कि मुझे कमला आडवाणीजी के साथ अपनी बातचीत के कई संदर्भ याद आते हैं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदना आडवाणी परिवार के साथ है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने श्रीमती कमला आडवाणी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री शाह ने अपने शोक संदेश में कहा, ''श्रीमती कमला आडवाणी के निधन का समाचार सुनकर मुझे अत्यंत दु:ख हुआ। वे आडवाणीजी के सामर्थ्य और अदम्य ऊर्जा का आधार स्तंभ थीं। वे एक व्यवहार कुशल महिला थीं, उनका पूरा जीवन सादगी और त्याग का प्रतीक रहा है। सक्रिय रूप से राजनीति में न रहते हुए भी वे तमाम कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत थीं। श्रीमती आडवाणी जी का निधन भारतीय जनता पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं उनके परिवार के प्रति शोक संवेदना प्रकट करता हूं। साथ ही भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को दुख की इस घड़ी में धैर्य और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।''

वरिष्ठ भाजपा नेता लालमुनि चौबे का निधन

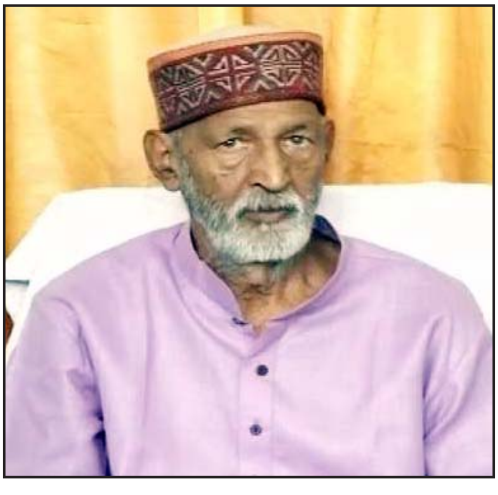

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद श्री लालमुनि चौबे का 25 मार्च को दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वे 74 वर्ष के थे। श्री चौबे का जन्म 6 सितम्बर 1942 को हुआ था। भाजपा को बिहार में मजबूत करने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। वे 1996 से 2009 तक चार बार बक्सर के सांसद थे। 1972 में पहली बार चैनपुर से विधानसभा चुनाव जीता। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लालमुनि चौबे के निधन पर दु:ख जताते हुए कहा कि मुझे लालमुनि चौबे जी के निधन की खबर मिली, सुनकर बेहद दु:ख हुआ। उन्होंने बिहार में पार्टी और वहां के लोगों की दशकों से सेवा की है। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। लालमुनिजी के निधन पर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री मंगल पांडेय और पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी ने गहरा दु:ख व्यक्त किया। ■

बजट बिना एक राज्य

– अरुण जेटली

उत्तराखंड में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया है। संविधान की धारा 356 तब लागू की जाती है जब राष्ट्रपति इस बात से संतुष्ट हो जाएं कि किसी राज्य में संविधान के अनुसार शासन नहीं किया जा सकता और यह विश्वास करने के पर्याप्त आधार हैं।

उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी के एक गुट ने कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री दोनों से असंतुष्ट होने का आरोप लगाया जिसके बाद राज्य में कांग्रेस पार्टी का विभाजन हो गया। कांग्रेस पार्टी में विभाजन की वजह आंतरिक थीं। कांग्रेस पार्टी के नौ सदस्यों ने विधान सभा में विनियोग विधेयक, जो कि राज्य के बजट के लिए जरूरी था, के विरुद्ध मत देने का फैसला किया। 18 मार्च 2016 को 35 सदस्यों ने विनियोग विधेयक के विरुद्ध तथा 32 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इन 35 सदस्यों में 27 भाजपा के तथा 9 कांग्रेस पार्टी के बागी गुट के सदस्य थे। इस बात के दस्तावेजी साक्ष्य हैं कि इन 35 सदस्यों ने विधान सभा सत्र से पहले और उस समय मत विभाजन की मांग की थी। विधान सभा की लिखित कार्यवाही से इस बात की पुष्टि हो जाती है कि सदस्यों ने मत विभाजन की मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद विनियोग विधेयक मतदान के बगैर पारित होने का दावा किया जा रहा है।

इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विनियोग विधेयक वास्तव में मत विभाजन में गिर गया था। इसके परिणाम स्वरूप सरकार को त्यागपत्र देना पड़ा। इस घटनाक्रम के दो परिणाम और हैं। पहला, एक अप्रैल 2016 से व्यय की मंजूरी देने वाले विनियोग विधेयक को मंजूरी नहीं मिली थी। दूसरा, अगर विनियोग विधेयक पारित नहीं हुआ था तो 18 मार्च 2016 के बाद सरकार का सत्ता में बने रहना असंवैधानिक है। ध्यान देने वाली बात यह है कि आज की तारीख तक न तो मुख्यमंत्री और न ही विधान सभा अध्यक्ष ने विनियोग विधियेक की प्रमाणित प्रति राज्यपाल के पास भेजी है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि विनियोग विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिली है।

इस तरह विनियोग विधेयक पर कथित चर्चा और उसके पारित होने संबंधी सभी तथ्य साफ तौर पर इसके पारित न होने की ओर इशारा करते हैं। विनियोग विधेयक के बारे में गंभीर आशंका है। विनियोग विधेयक पारित न होने पर सरकार को 18 मार्च को ही इस्तीफा दे देना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया है, इसके परिणामस्वरूप राज्य में पूरी तरह संवैधानिक संकट खड़ा हो गया है। आज की तारीख में विधानसभा अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित और राज्यपाल की मंजूरी प्राप्त विनियोग विधेयक नहीं है। अगर विधानसभा अध्यक्ष की बात को सही मानें कि बागी विधायकों ने विनियोग विधेयक के पक्ष में मतदान किया इसलिए यह पारित हो गया है, तब बागी विधायकों को अयोग्य करार नहीं दिया जा सकता।

विनियोग विधेयक पारित न होने पर इस्तीफा नहीं देकर सत्ता में बने रहकर राज्य को गंभीर संवैधानिक संकट में धकेलने के बाद मुख्यमंत्री ने सदन में संख्या बल को प्रभावित करने के लिए विधायकों को प्रलोभन, खरीद फरोख्त और अयोग्य करार घोषित कराने की कवायद शुरु कर दी। विधान सभा को निलंबित करने का फैसला सार्वजनिक होने के बावजूद विधान सभा अध्यक्ष ने कुछ सदस्यों को निलंबित कर दिया है। इस तरह इस कार्रवाई के बाद संवैधानिक संकट और बढ़ गया है।

18 मार्च को बहुमत को अल्पमत में बदल दिया गया और 27 मार्च को संविधान का उल्लंघन कर एक अल्पमत की सरकार को बहुमत की बनाने के लिए सदन में संख्या बल को बदलने का प्रयास किया गया। एक विधान सभा अध्यक्ष द्वारा असफल विनियोग विधेयक को पारित घोषित करने और उसके बाद उसकी वैधानिकता को साबित करने में विफल रहने का यह अभूतपूर्व उदाहरण है। इस घटनाक्रम के बाद राज्य में एक अप्रैल 2016 से खर्च करने के लिए विधान सभा से पारित कोई बजट नहीं है। संवैधानिक संकट का इससे बेहतर सबूत क्या हो सकता है? उत्तराखंड की कांग्रेस सरकार 18 मार्च से 27 मार्च के दौरान हर दिन लोकतंत्र की हत्या कर रही थी। अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि संविधान के अनुच्छेद 357 के तहत कदम उठाकर राज्य के लिए एक अप्रैल 2016 से राज्य में व्यय की मंजूरी सुनिश्चित की जाए। ■

(लेखक केंद्रीय वित्त मंत्री हैं)

वीरगाथा ने पिरोई देशभक्ति की गाथायें

वह भारत को सुरक्षित व समृद्ध छोड़ गये अपनी शहादत से

अम्बा चरण वशिष्ठ

आज "भारत की बर्बादी" और "पाकिस्तान जिन्दाबाद" के नारे ऊंचा करने वालों, राष्ट्रबगान के समय खड़े न होने और "भारत माता की जय" बोलने से इंकार करने वालों को हमारे सैकुलर-उदारवादी बड़े-बड़े नेता स्वततंत्रता की आजादी के ढोंग पर उनकी पीठ ठोंक कर उन्होंने हीरो बना रहे हैं। ऐसे समय में मानव-संसाधन विकास मंत्रालय की दो इकाइयों राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद ने अंग्रेजी में वीर गाथा और राष्ट्रीय बुक ट्रस्ट ने हमारे उन वीर सैनिकों की बहादुरी की गाथाओं के किस्से प्रकाशित किये हैं। जिन्होंने स्वातंत्रता प्राप्ति के बाद विभिन्न युद्धों में दुश्मन के दांत खट्टे कर दिखाये और राष्ट्र ने उनके इस महान् बलिदान व बहादुरी के लिये उन्हें युद्ध के समय के सब से महान् अलंकार परमवीर चक्र से सम्मानित कर अपने आपको गौरवान्वित महसूस किया है। दोनों प्रकाशनों से इन वीरों की बहादुरी के रौंगटे खड़े कर देने वाले कारनामों से हमारे विद्यार्थियों व युवकों के मन में उनके प्रति श्रद्धा उपजेगी और उन पर गर्व होगा। उनके जीवन, बहादुरी व बलिदान से बच्चों के मन में भी राष्ट्र के प्रति कुछ कर बैठने की इच्छा जगेगी। इस सफल प्रयास के पीछे प्रेरणा है मानव संसाधन विकास मन्त्री श्रीमती स्मृति ईरानी की।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1947-48, 1965, 1971 व 1999 में पाकिस्तान के साथ व 1962 में चीन के साथ युद्धों में, 1960-64 के कांगो व 1987-90 के श्रीलंका में शांति प्रक्रिया में भाग लेने वाले अब तक 21 वीर सेनानियों को अलंकृत किया गया है। इनमें से एक परमवीर चक्र वायु सेना के फ्लाइंग अफसर को 1971 के भारत-पाकिस्तावन युद्ध के समय मिला है। बाकी सभी थल सेना के हिस्से गये हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की दूसरी इकाई 'राष्ट्रीय बुक ट्रस्ट' ने अलग-अलग पुस्तिका को प्रत्येक परमवीर चक्र प्राप्त बहादुर को समर्पित कर उसकी जीवन कथा को चित्रकथा के रूप में प्रस्तुत किया है। इसमें उनकी जीवन व गौरव गाथा का बड़े सुंदर व रोचक ढंग से चित्रण किया गया है। यह बच्चों व युवकों की जिज्ञासा भी बढ़ायेगा और उन्हें एक सकारात्मक संदेश व प्रेरणा भी देगा। वर्तमान माहौल में हमारे युवकों व विद्यार्थियों के मन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा राष्ट्रीयता व देशभक्ति की भावना उजागर कर देने में इन दोनों ही प्रकाशनों का बहुत कारगर सिद्ध होने की आशा है।

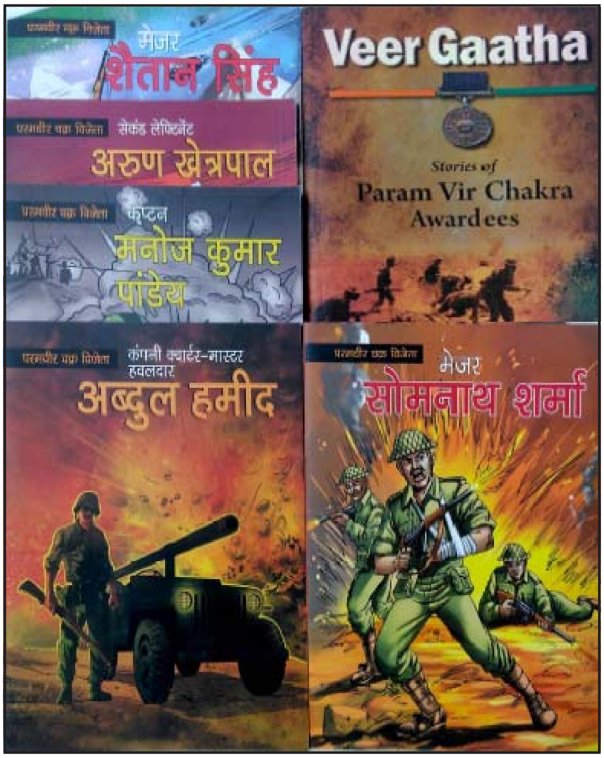

परमवीर चक्र युद्ध के समय का सबसे उत्कृष्ठ शूरवीरता का पुरस्कार है जो थल, वायु व समुद्र में दुश्मन का मुकाबला करते हुये अदम्य साहस दिखाने व देश के लिये अपनी जान तक न्यौछावर कर जाने वाले महान् सैनिकों को दिया जाता है। इसकी स्थापना गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950 को की गई थी और 15 अगस्त, 1947 को देश को स्वतंत्रता प्राप्ति के समय से इसे लागू किया गया है। वीर गाथा में अब तक परमवीर चक्र प्राप्ति करने वाले सभी 21 शूरवीरों के जीवन व उनकी बहादुरी के कारनामों का शब्दों में गुणगान

किया गया है। परमवीर चक्र के प्रथम विजेता थे मेजर सोमनाथ शर्मा जिन्होंने 1947-48 के कश्मीर युद्ध का नायक माना जाता है। उन्होंने अपने एक अफसर व 20 जवानों के साथ पाकिस्तान की सेना को श्रीनगर हवाई अड्डे पर कब्जा करने से तब तक रोके रखा था जब तक कि सहायता के लिये भारत के और जवान व सामग्री नहीं पहुंची। वह तब भी डटे रहे जब दुश्मन केवल 50 गज की दूरी तक पहुंच चुका था। सेना प्रमुख कार्यालय को उन्होंने अपने अंतिम संदेश में लिखा : "दुश्मन के सामने हम संख्या में बहुत कम हैं। हम पर दुश्मन विध्वंसक गोलाबारी कर रहा है। मैं एक इंच भी पीछे नहीं हटूंगा और अन्तिम गोली तक लड़ता रहूंगा। उनके ये शब्द अब सेना के लिये एक आदर्श मार्गदर्शन बन चुके हैं। उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित करते समय सरकार ने अपने प्रशस्ति पत्र में लिखा : "उन्होंने साहस व उत्कृष्टता का इतना बड़ा दृष्टांत प्रस्तुंत किया है जो भारतीय सेना के इतिहास में शायद ही कभी देखने को मिला है।"

वीर गाथा में इन सभी महान् सपूतों को परम् वीर चक्र से सम्मानित करते समय पढ़े गये प्रशस्ति उल्लेखों को उद्धृत किया गया है जिसमें उनकी असामान्यें वीरता के किस्से गाये गये हैं। उसमें इन वीरों के सम्मान में डाक विभाग द्वारा डाक टिकट जारी किये जाने का चित्र सहित ब्यौरा भी दिया गया है। अपने साथियों के मन में वीरता की चिंगारी सुलगाते हुये लांस नायक कर्म सिंह अपनी ठेठ पंजाबी में कहते हैं: "जदों असीं इत्थेन जान दे दांगे तां साडी कीमत वद्ध जावेगी" (जब हम यहां अपनी कुर्बानी दे देंगे तो हमारी कीमत बढ़ जायेगी)। कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवल्दार अब्दुल हमीद ने 1965 के युद्ध में खेमकरन सैक्टर में अपनी बंदूक के साथ ही अमरीका में निर्मित व तब तक अविजित माने जाने वाले 7 पैट्टन टैंकों की वहां कब्र बना दी थी। वह दुश्मन से तब तक लड़ते रहे जब तक कि एक गोले ने उन्हें आहत नहीं कर दिया।

अपने साथियों के मन में वीरता की चिंगारी सुलगाते हुये लांस नायक कर्म सिंह अपनी ठेठ पंजाबी में कहते हैं: "जदों असीं इत्थेन जान दे दांगे तां साडी कीमत वद्ध जावेगी" (जब हम यहां अपनी कुर्बानी दे देंगे तो हमारी कीमत बढ़ जायेगी)। कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवल्दार अब्दुल हमीद ने 1965 के युद्ध में खेमकरन सैक्टर में अपनी बंदूक के साथ ही अमरीका में निर्मित व तब तक अविजित माने जाने वाले 7 पैट्टन टैंकों की वहां कब्र बना दी थी। वह दुश्मन से तब तक लड़ते रहे जब तक कि एक गोले ने उन्हें आहत नहीं कर दिया।

फ्लाईंग अफसर निर्मलजीत सिंह सेखों ने अपनी कमान को संदेश भेजा कि वह दो पाकिस्तानी हवाई लड़ाकू सेबरज जहाजों का पीछा कर रहे हैं और उन्हें भाग कर बच जाने नहीं देंगे। अपने पिता ब्रिगेडियर खेत्रपाल को युद्धक्षेत्र से अपनी कुर्बानी के पांच दिन पूर्व अपने हाथ से लिखे एक पत्र में कैप्टन अरूण खेत्रपाल ने लिखा : "मैं यहां मजे में हूं।" जब उनके टैंक का एक भाग क्षतिग्रस्त हो गया और उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें आदेश दिया कि वह टैंक छोड़ कर अपनी रक्षा करें तो उन्होंने बड़ी विनम्रता से यह आदेश न मानते हुये कहा : "नहीं सर, मैं टैंक नहीं छोड़ूंगा। मेरी बंदूक अभी काम कर रही है और मैं उन्हें (दुश्मनों को) नहीं छोड़ूंगा"। लैफ्टिनैंट मनोज कुमार पाण्डेय की अदम्यं जोश की झलक तो उनकी डायरी के उस पन्ने से मिली जिसमें उन्होंने अंग्रजी में लिखा था, "If death strikes before I prove my blood] I promise (swear) I will kill death" (अपना खून साबित कर पाने से पहले यदि मौत मेरे पास आई तो मैं वादा करता हूं (कसम खाता हूं) मैं मौत को ही मार कर रख दूंगा।) कारगिल युद्ध में परम वीर चक्र पाने वाले योद्धा ग्रेनेडियर योगिंद्र सिंह यादव भारत के इतिहास के अब तक के सब से कम उम्र वाले योद्धा हैं। उनका जन्म 10 मई 1980 को हुआ था और 19 वर्ष की आयु में ही उन्होंने 3-4 जुलाई 1999 की रात को वीरगति प्राप्त कर ली।

भारत के इन सभी महान् सपूतों के रोंगटे खड़े कर देने वाले कारनामें वर्तमान पीढ़ी के लिये ही नहीं, बल्कि पूरे देश को एक ही संदेश छोड़ गये हैं : हम से पहले कर्तव्य, देश पहले हम बाद में। उनकी महान् कुर्बानियां अंग्रेजी के महान् कवि लॉर्ड टेनीसन की उन पंक्तियों की याद दिलाती हैं, जिसमें उन्होंने लिखा कि देश के लिये कुछ करते समय कोई तर्क-वितर्क, अगर-मगर नहीं होता। तब तो मौका होता है बस करो या मरो का।" ■

भारत दुनिया की सर्वाधिक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 मार्च से 3 अप्रैल तक बेल्जियम, अमरीका और सउदी अरब की 5 दिवसीय सफल यात्रा की। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने 13वें भारत-यूरोप शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया तथा महत्वपूर्ण यूरोपीय नेताओं से मुलाकात भी की। यही नहीं, उन्होंने रिमोट द्वारा भारत-बेल्जियम ऐरिस (आर्य भट्ट अवलोकन विज्ञान अनुसंधान संस्थान) टेलीस्कोप को भी संचालित किया। श्री मोदी ने 31 मार्च को वॉशिंगटन डीसी में चौथे परमाणु सुरक्षा सम्मेलन में भाग लिया और परमाणु सुरक्षा को खतरे के महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। यात्रा के अंत में प्रधानमंत्री 2 और 3 अप्रैल को सऊदी अरब गए तथा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ किया। गौरतलब है कि सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर है।

बेल्जियम यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की बेल्जियम यात्रा अत्यंत सफल रही। ब्रुसेल्स में श्री मोदी ने न केवल 13वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में भाग लिया, बल्कि बेल्जियम के अपने समकक्ष श्री चार्ल्स मिशेल से द्विपक्षीय वार्ता भी की। श्री मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री श्री चार्ल्स मिशेल ने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने का संकल्प लिया और दोनों देशों ने प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर लंबे समय से बाधित बातचीत बहाल करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने यहां अपनी मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाकर और निवेश संबंधों को विस्तारित करके आर्थिक संबंधों को मजबूती प्रदान करने की प्रतिबद्धता जतायी।

श्री मोदी ने 30 मार्च को बेल्जियम में हुए प्रेस वक्तव्य में कहा कि पिछला सप्ताह बेल्जियम के लिए दुखद सप्ताह रहा है। महामहिम प्रधानमंत्री, मैं कहना चाहूंगा कि पिछले आठ दिनों में बेल्जियम की जनता के दुख को हम गहराई से साझा करते हैं। पिछले सप्ताह ब्रुसेल्स में हुए आंतकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। अनेक अवसरों पर आतंकी हिंसा के हमारे अनुभव के कारण आप के दुख को साझा करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत को आज दुनिया में दीप्तिमान आर्थिक अवसरों में शुमार किया जाता है। हमारे देश के व्यापक आर्थिक बुनियादी तत्व अत्यंत मजबूत हैं और 7 फीसदी से भी ज्यादा की आर्थिक विकास दर के साथ हम दुनिया की सर्वाधिक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक

हैं। मेरा यह मानना है कि बेल्जियम की क्षमताओं और भारत के आर्थिक विकास का संयोजन दोनों ही पक्षों के कारोबारियों के लिए आशाजनक अवसर पैदा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों की मित्रता इतिहास का बहुत लंबा है। सौ वर्ष पहले प्रथम विश्व युद्ध में भारत के 130,000 सैनिकों ने आप के देश की जनता के साथ युद्ध में भाग लिया था। 9 हजार से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिए।

प्रधानमंत्री और बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के देवस्थल में एरीज दूरबीन को रिमोट से चालू किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री श्री चार्ल्स मिशेल ने संयुक्त रूप से 30 मार्च को उत्तराखंड के देवस्थल स्थित 3.6 मीटर ऑप्टिकल दूरबीन का रिमोट से शुभारम्भ किया। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) का दूरबीन उत्तराखंड में लगाया गया है। इसे दोनों देशों के वैज्ञानिकों के सहयोग से तैयार किया गया है। इसका निर्माण भारत की एरीज टीम और बेल्जियम के एएमओएस के सहयोग से किया गया है।

यह दुनिया की आधुनिक दूरबीन है, जो कई वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के अवलोकन में सहयोग करेगी। हिमालय की गोद में इस परिष्कृत पूरी तरह संचालनयुक्त दूरबीन की सफलतापूर्वक स्थापना के अवसर पर प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ सरकार का प्रयास है, बल्कि इसमें एरीज जैसे स्वायत्त संस्थान और निजी कंपनी एएमओएस भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 6500 किलोमीटर दूर ब्रुसेल्स से इसे तकनीकी रूप से शुरू किया जाना यह साबित करता है कि अगर मिलजुल कर प्रयास किया जाए तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आकाश भी कोई सीमा नहीं है।

प्रधानमंत्री द्वारा ब्रुसेल्स में भारतीय समुदाय का संबोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 30 मार्च को ब्रुसेल्स में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय समुदाय को भारत का 'लोकदूत' बताया। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों ब्रुसेल्स में हुए भीषण आतंकवादी हमले को याद किया और इसमें हताहत लोगों के परिवार वालों को सांत्वना दी। उन्होंने आतंकवाद को मानवता के लिए चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि वक्त की आवश्यकता है कि मानवतावादी शक्तियां आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट हों।

भारत एक आशा की किरण : प्रधानमंत्री

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया, जो कि आर्थिक संकट से गुजर रही है, ने भारत को आशा की किरण के तौर पर पहचाना है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, और ऐसा अच्छा भाग्य होने के कारण नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि

सिलसिलेवार सूखे के दो सालों के बावजूद ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बेहतर नीयत एवं सही नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि निर्धन लोगों को बड़ी संख्या में एलपीजी के कनेक्शन दिए गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसा सम्पन्न वर्ग से सब्सिडी त्यागने की अपील वाले अभियान के कारण हो पाया, एवं अब तक 90 लाख लोग ऐसा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने इस बारे में केंद्रीय बजट की वचनबद्धता के बारे में भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में विद्युत एवं कोयले का सर्वाधिक उत्पादन हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे में अच्छा खासा निवेश किया गया है, क्योंकि उनका मानना है कि रेलवे भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में कारों का उत्पादन एवं सॉफ्टवेयर निर्यात भी सर्वाधिक रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वित्तीय समेकन की मुहिम के अंतर्गत 21 करोड़ नए बैंक खाते खोले गए हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार 'जनधन आधार मोबाइल' की योजना ने एलपीजी सब्सिडी में भ्रष्टाचार एवं गलत हाथों में धन पहुंचने पर अंकुश लगाया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के लगभग सात दशकों के बावजूद 18000 गांव बिजली रहित रहे हैं, और उन्होंने 1000 दिनों में उन गांवों का विद्युतीकरण करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि अब तक 7000 से अधिक गांवों का विद्युतीकरण हो चुका है।

लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी (लिगो) के वैज्ञानिकों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी (लिगो) के वैज्ञानिकों के दल ने 31 मार्च को वाशिंगटन डीसी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यूएस नेशनल

साइंस फाउंडेशन के निदेशक डॉ. फ्रांस कार्दोवा के नेतृत्व वाले इस दल में लिगो परियोजना से संबद्ध तीन भारतीय युवा वैज्ञानिक भी शामिल थे। डॉ. कार्दोवा ने कहा कि लिगो परियोजना के भविष्य के लिए भारत बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने लिगो परियोजना को भारत-अमेरिका वैज्ञानिक सहयोग का महान उदाहरण करार देते हुए कहा कि इस परियोजना की सफलता भारतीय वैज्ञानिकों की समस्त युवा पीढ़ी को प्रेरणा देगी। उन्होंने लिगो परियोजना से संबद्ध भारतीय वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे जितना ज्यादा से ज्यादा संभव हो सके, भारतीय छात्रों के साथ संवाद करें और भारतीय विश्वविद्यालयों का दौरा करें।

सरकारों द्वारा परमाणु तस्करों और आतंकवादियों के साथ काम करना सबसे बड़ा खतरा: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 1 अप्रैल को अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा दिए गए रात्रिभोज के दौरान

परमाणु सुरक्षा के खतरों पर अपनी बात रखी। ब्रुसेल्स में हाल में हुए आतंकवादी हमलों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रुसेल्स से परमाणु सुरक्षा को आतंकवाद से पैदा हुए वास्तविक और तात्कालिक खतरों का पता चलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा दौर में आतंकवाद 21वीं सदी की तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का नेटवर्क पूरी दुनिया में है, लेकिन हम इस चुनौती से सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद की पहुंच और आपूर्ति चेन वैश्विक है, लेकिन देशों के बीच वास्तविक सहयोग बिल्कुल नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के कृत्यों की रोकथाम और कार्रवाई के बिना परमाणु आतंकवाद को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने हर किसी से इस धारणा को त्यागने की अपील की कि आतंकवाद किसी और की समस्या है और 'उसका' आतंकवाद 'मेरा' आतंकवाद नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि परमाणु सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता माना जाना चाहिए और सभी देशों को अपनी अंतरराष्ट्रीय बाध्यताओं का पालन करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने जापान, कनाडा और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों से मुलाकात की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री श्री शिंजो आबे की परमाणु सुरक्षा सम्मेलन 2016 के अवसर पर मुलाकात हुई। जापान के साथ विशेष सामरिक और वैश्विक भागीदारी के संदर्भ में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बेहद सौहार्दपूर्ण महौल में विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री अबे ने दिसंबर, 2015 में भारत की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान उत्कृष्ट आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस दौरान उनकी वाराणसी यात्रा अविस्मरणीय थी। प्रधानमंत्री अबे ने स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था अब वैश्विक विकास के इंजन के रूप में काम कर रही है।

श्री मोदी ने 1 अप्रैल को वाशिंगटन डीसी में परमाणु सुरक्षा सम्मेलन के अवसर पर कनाडा के प्रधानमंत्री श्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री ट्रूडो के पद ग्रहण करने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा और गतिशीलता आई है।

परमाणु सुरक्षा सम्मेलन के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री श्री डेविड कैमरन से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष श्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा का स्मरण किया और प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे एवं मजबूत हो चुके हैं।

विचार-विमर्श के दौरान रक्षा सहयोग पर प्रधानमंत्री मोदी ने उल्लेख किया कि ब्रिटेन खासतौर पर रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' पहल में भारत का साझेदार बन सकता है। दोनों नेताओं के बीच वीजा मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

सउदी अरब यात्रा

द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और पारस्परिक हितों को मजबूती

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2-3 अप्रैल को सऊदी अरब की यात्रा की। सउदी अरब सुल्तान सलमान बिन अब्दुल अजीज और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और पारस्परिक हितों संबंधी बहुस्तरीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों, दोनों देशों के साझा ऐतिहासिक संबंधों, दोनों देशों के बीच बढ़ती आर्थिक साझेदारी, बहुआयामी सहयोग और लोगों के बीच जीवंत आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। मैत्रीपूर्ण माहौल में बहुस्तरीय और सकारात्मक चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच एक दूसरे की चिंताओं तथा विभिन्न परिप्रेक्ष्यों के तहत खाड़ी क्षेत्र और भारतीय उप महाद्वीप में सुरक्षा और स्थिरता कायम करने के लिए नजदीकी संपर्क पर जोर दिया गया। इसके अलावा क्षेत्र के देशों के लिए शांतिपूर्ण माहौल तथा विकास के संबंध में सुरक्षा कायम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

भारत-सऊदी अरब का संयुक्त घोषणापत्र

भारत और सउदी अरब द्वारा 3 अप्रैल को संयुक्त घोषणापत्र जारी किया गया। दोनों नेताओं ने इस बात की सराहना की कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा, रक्षा, श्रमशक्ति और लोगों के बीच आदान-प्रदान हाल के वर्षो के दौरान बहुत विकसित हुए हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच होने वाले उच्च स्तरीय दौरों के नियमित आदान-प्रदान पर संतोष व्यक्त किया और इस बात को रेखांकित किया कि दिल्ली घोषणा (2006) और रियाद घोषणा (2010) ने पारस्परिक लाभकारी द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचा दिया है।

पूरे क्षेत्र और विश्व में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को प्रोत्साहन देने के अपने दायित्व के मद्देनजर दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के महत्व पर जोर दिया, जिसमें सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग, दोनों देशों तथा वहां के लोगों के साझा हितों से संबंधित क्षेत्र शामिल हैं।

दोनों नेताओं ने सैन्य कर्मियों एवं विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, संयुक्त सैन्य अभ्यासों, जलपोतों और हवाई जहाजों के दौरों के आदान-प्रदान, अस्त्र-शस्त्र की आपूर्ति तथा उनके संयुक्त विकास के जरिए द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने रियाद में संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की दूसरी बैठक के आयोजन के निर्णय का स्वागत किया, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के बाद होगी।

दोनों नेताओं ने खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की, जो दोनों देशों की सुरक्षा और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दोनों नेताओं ने मानवीय सहायता तथा प्राकृतिक आपदाओं और तनावपूर्ण परिस्थितियों में बचाव कार्य के लिए द्विपक्षीय योगदान को बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री द्वारा सऊदी अरब के व्यापारिक प्रमुखों से वार्तालाप

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 अप्रैल को सऊदी अरब के रियाद में सऊदी के 30 मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वहां के भारतीय व्यापारिक नेताओं से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब के सुल्तान को भेंट दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सऊदी अरब सुल्तान सलमान-बिन-अब्दुलअजीज अल सऊद को भारत के केरल की सोना चढ़ी (गोल्ड प्लेटेड) चेरामन जुमा मस्जिद की प्रतिकृति भेंट की।

थिरूस्सर जिले में स्थित इस मस्जिद के बारे में ऐसा माना जाता है कि यह भारत में बनी पहली ऐसी मस्जिद है जिसका निर्माण 629 सदी के आसपास अरब व्यापारियों ने कराया था जिसे पुराने समय से भारत और सऊदी अरब के बीच सक्रिय व्यापार संबंधों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

प्रधानमंत्री ने रियाद में एल एंड टी कार्मिकों के आवासीय परिसर का दौरा किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अप्रैल को रियाद में एल एंड टी कार्मिकों के आवासीय परिसर का दौरा किया। एल एंड टी रियाद में मेट्रो के एक खंड का निर्माण कर रही है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इस परियोजना में काम कर रहे कार्मिकों के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आपका कठिन परिश्रम ही मुझे यहां लाया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रियाद में टाटा परामर्श सेवा के महिलाओं के आईटी और आईटीईएस केंद्र का भी दौरा किया। ■

प्रधानमंत्री को शीर्ष सउदी सम्मान

समावेश विकास के लिए मोदी सरकार के प्रयासों पर दुनिया ने लगाई एक बार फिर मुहर : अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'साश अश्वफ किंग अब्दुल्लाजीज (स्पेशलक्लास)' से सम्मानित किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी उन्हें बधाई देती है। यह पुरस्कार दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक किंग सलमान बिन अब्दुल अजीज अलस ऊद द्वारा प्रदान किया गया। ये एक विशेष सम्मान है जो सउदी अरब द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को दिया गया।

प्रधानमंत्री को मिले इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा, "ये पूरे देश के लिए गर्व की बात है। इस से ये बात पता चलता है कि 'सबका साथ, सबका विकास' के दिशा-निर्देशक सिद्धान्त की गूंज पूरी दुनिया में है और इसकी व्यापक प्रशंसा हो रही है।"

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, "सउदी अरब द्वारा इस पुरस्कार को प्रदान करना, बहुत महत्व रखता है। वैश्विक भू-राजनैतिक स्थित के लिहाज से सउदी अरब एक बहुत महत्वपूर्ण देश है और इस्लाम का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल यहीं है। दुनिया के सांस्तिक परिवेश में सउदी अरब का महत्व बहुत अधिक है।"

श्री अमित शाह ने कहा कि ये पुरस्कार श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की प्रगतिशील और गतिशील विदेश नीति को मान्यता प्रदान करता है। प्रधानमंत्री की सउदी अरब यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री अमित शाह ने कहा, "ये एक ऐतिहासिक यात्रा थी और इसके नतीजे भी ऐतिहासिक रहे हैं। अर्थव्यवस्था और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ाने के लिए हुई व्यापक वार्ता से न सिर्फ भारत और सउदी अरब को बल्कि पूरी दुनिया को लाभ होगा।"

श्री अमित शाह ने सउदी अरब और भारत के बीच ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों को याद करते हुए भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक साझेदारी में और अधिक इजाफा होगा। एनडीए सरकार की विदेश नीति की प्रशंसा करते हुए श्री अमित शाह ने कहा, "श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की विदेश नीति के चलते भारत में रिकश्वर्ड विदेशी निवेश हुआ है और वैश्विक मंचों पर भारत का सम्मान बढ़ा है। मौजूदा मित्रों के साथ संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और साथ ही अन्य क्षेत्रों तथा देशों के साथ सहयोग में ऐतिहासिक गति से तेजी आई है। इसके साथ ही भारत हर अवसर पर आगे आया और संकट में फंसे प्रत्येक भारतीय की मदद की, फिर चाहें वो अफगानिस्तान हो, ईराक हो, सीरिया, लीबिया या यमन हो।"

प्रधानमंत्री की सउदी अरब यात्रा से ये भी पता चला कि प्रधानमंत्री स्वयं पश्चिम एशिया के साथ संबंधों को कितना महत्व देते हैं। वहां बड़ी संख्या में भारतीय रहकर काम करते हैं। इस बार प्रधानमंत्री एलएंडटी के श्रमिकों के आवासीय परिसर में गए जहां उन्होंने श्रमिकों के साथ जलपान किया। इसकी चौतरफा प्रशंसा हुई। उन्होंने छोटे-मोटे अपराधों के लिए सजा काट रहे भारतीयों के मुद्दे को भी उठाया। सउदी सरकार इन मामलों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के लिए सहमत हुई तथा तत्काल प्रभाव से एक समीक्षा प्रणाली का गठन किया गया।

गौरतलब है कि अगस्त में अपनी यूएई यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने भारतीय श्रमिकों से भेंट की थी और वो अबूधानी में शेखजायद मस्जिद भी गए थे। श्री नरेंद्र मोदी का हमेशा मानना रहा है कि भारत की विविधता और समरसता ही भारत की ताकत है और ये ताकत ही भारत को 21वीं शदी की शीर्ष आर्थिक महाशक्ति बनाएगी। ■

महामंत्री प्रतिवेदन

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की ओर...

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री (सम्मेलन) श्री रामलाल ने महामंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस प्रतिवेदन में 23 जनवरी 2013 से 24 जनवरी 2016 के बीच संपन्न संगठनात्मक कार्यक्रम एवं चुनाव परिणाम से संबोधित विवरण शामिल हैं। इस अवधि में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में जहां पार्टी के 11 करोड़ सदस्य बने और यह संगठनात्मक रूप से अत्यंत सशक्त हुई वहीं श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ। हम यहां महामंत्री प्रतिवेदन का पूरा पाठ क्रमशः प्रकाशित कर रहे हैं। प्रस्तुत है दूसरा भाग:

भारतीय जनता पार्टी ने ''सबका साथ-सबका विकास'' की उद्घोषणा के साथ देश भर में लोकसभा चुनाव लड़ा। मिशन 272+ का लक्ष्य प्राप्त करते हुये, अकेले भाजपा ने 282 सीटें जीतीं। चुनावों का विस्तृत विवरण निम्नलिखित हैं:-

कुल सीट : 543
कुल अनुसूचित जाति सीट : 84
कुल अनुसूचित जनजाति सीट : 47

भाजपा का कुल विवरण

- कुल सीटें जीती : 282
- भाजपा (अनुसूचित जाति) सांसद : 40= 47.61 प्रतिशत अनु. जाति सीट
- (महिलाएं शामिल हैं) : 06
- भाजपा (अनुसूचित जनजाति) सांसद : 27= 69.44 प्रतिशत कुल अनुसूचित जनजाति सीट
- (महिलाएं शामिल हैं) : 02
- भाजपा महिलाएं सीट जीती : 28 = 10 प्रतिशत भाजपा ने कुल सीट जीतीं

राजग का कुल विवरण (282 + 54 = 336)

- शेष राजग ने जीतीं : 54
- शेष राजग अनुसूचित जाति सीट जीतीं : 09
- शेष राजग अनुसूचित जनजाति सीट जीतीं : 02
- शेष राजग महिलाओं ने सीट जीतीं : 02
- राजग अनुसूचित जाति सीट जीतीं : 62.02 प्रतिशत
- राजग अनुसूचित जनजाति सीट जीतीं : 70.73 प्रतिशत

16वीं लोकसभा चुनाव में निम्न राज्यों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायी

1. दिल्ली 2. गोवा 3. गुजरात 4. हिमाचल प्रदेश 5. जम्मू एवं कश्मीर 6. झारखण्ड 7. नागालैण्ड 8. ओडिशा 9. राजस्थान 10. सिक्किम 11. तमिलनाडु 12. त्रिपुरा 13. उत्तराखड 14. आंध्र प्रदेश

निम्न केंद्र शासित प्रदेश राज्यों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायी

1. अंडमान एवं निकोबार 2. चण्डीगढ़ 3. दादरा नगर हवेली 4. दमन एवं द्वीव 5. पुड्डुचेरी 6. लक्षद्वीप

बडोदरा-वाराणसी में जनता का धन्यवाद

चुनाव परिणामों के घोषणा होते ही श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने निर्वाचन क्षेत्र बडोदरा में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने गुजरात से 26 के 26 सीटों पर भाजपा को विजय बनाने के लिए धन्यवाद किया एवं कहा कि उनकी सरकार सबकी सरकार होगी। कश्मीर से कन्याकुमारी एवं कच्छ से कामरूप तक सबके लिए सरकार काम करेगी। उन्होंने जनता को प्रणाम करते हुए कहा कि उनकी सरकार सुशासन को समर्पित होगी।

इसके ठीक दूसरे दिन भी नरेन्द्र मोदी वाराणसी पहंचे जहां जनता ने उनका जबर्दस्त उत्साह से स्वागत किया। काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के पश्चात उन्होंने प्रसिद्ध दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती में भाग लिया। अपने भाषण में श्री मोदी ने वाराणसी

की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन पर विश्वास व्यक्त करने के लिए वे उनका अभिनन्दन करते हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी संसदीय दल के नेता निर्वाचित

20 मई 2014 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में भाजपा के प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी श्री नरेन्द्र मोदी को भाजपा संसदीय दल का विधिवत नेता चुन लिया गया। एक ओर जहां श्री मोदी ने संसद में कदम रखने से पूर्व सीढ़ियों पर मस्तक टेक कर प्रणाम किया वहीं दूसरी ओर वे संबोधन में भावुक हो गये। श्री मोदी ने पार्टी को मां बताते हुए कहा कि बेटा कभी मां पर कृपा नहीं कर सकता, वह सिर्फ सेवा कर सकता है। उन्होंने नवनिर्वाचित सांसदों को यह भी याद दिलाया कि अब वे जिम्मेदारी में है और जनता की आकांक्षाओं-आशाओं को पूरा करने को वे तैयार रहें। इस बैठक के तुरंत बाद एनडीए की बैठक हुई और इसमें भी श्री मोदी औपचारिक रूप से नेता चुने गये। श्री मोदी ने सभी सहयोगियों पार्टी का आभार व्यक्त किया।

शपथ ग्रहण समारोह

श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने भाजपा नीत एनडीए की शानदार जीत के बाद 15वें प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2014 को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में शपथ लिया। राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने श्री मोदी को 23 कैबिनेट मंत्रियों, 10 राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 12 राज्य मंत्रियों के साथ शपथ दिलाई। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरा प्रांगण 3500 से भी अधिक गणमान्य व्यक्तियों से भरा था, जिसमें 'सार्क' देशों के शासनाध्यक्ष भी शामिल थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री नवाज शरीफ, श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान के राष्ट्रपति श्री हामिद करजई, नेपाल के प्रधानमंत्री श्री सुशील कोइराला, भूटान के प्रधानमंत्री श्री टी शेरिंग तोपमें और मालदीव के राष्ट्रपति श्री अब्दुल्ला यामिन अब्दुल गयूम विशेष रूप से इस समारोह में शामिल हुए।

भाजपा-नीत एनडीए सरकार ने की नये युग की शुरूआत

श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही देश में आशा एवं विश्वास का एक नया युग प्रारंभ हो गया। पूरे देश में नई कार्य-संस्कृति, भ्रष्टाचारमुक्त शासन, प्रभावी एवं लोक हितकारी व्यवस्था एवं कार्यक्रमों के माध्यम से देश विकासोन्मुखी राजनीति के पथ पर अग्रसर है। हर दिन बिना रुके, बिना थके 18-20 घंटे अथक कार्य कर नई दृष्टि, तीव्र गति एवं पारदर्शी नीतियों से गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित के विकास के लिए वे समर्पित हैं। युवाओं को केवल नौकरी नहीं, बल्कि उद्यमी बनाने को लेकर वे निरंतर अभिनव योजनाओं के माध्यम से प्रेरित कर रहे हैं। पूरे भारत की एक नई तस्वीर बन रही है, लोग आत्मविश्वास से भरे सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने अपने विदेश प्रवासों से भारत की एक नई छवि प्रस्तुत की है और वे विश्व का भारत के प्रति नजरिया बदलने में सफल रहे हैं। हमारे पड़ोसी देश भूटान, नेपाल, श्रीलंका सहित चीन, जापान, इंग्लैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका, रूस समेत अनेक देशों के साथ न केवल राजनयिक एवं कूटनीतिक संबंध बनाए बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है। आतंकवाद पर सभी देशों को एकजुट करने की बात हो या विकासोन्मुखी एजेंडा, अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा के शब्दों में श्री नरेन्द्र मोदी 'मैन ऑफ एक्शन' बनकर उभरे हैं। यही कारण था कि बहुत ही कम समय में उनकी अपील पर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संयुक्त राष्ट्र संघ में मुहर लगाई। यह हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है कि 21 जून 2015 को 192 देशों में योग दिवस पूरे उत्साह से मनाया गया।

प्रधानमंत्री महोदय ने पूरे देश में निरंतर सघन प्रवास कर जनसंपर्क एवं जनसंवाद कायम रखा है। कश्मीर में सैनिकों के साथ दीवाली मनाने से लेकर उत्तर-पूर्व का दौरा, देश के लगभग सभी हिस्सों में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं आधारशिला रख वे एक सुदृढ़ भारत की कल्पना साकार करने में लगे हैं। इसके अलावा संसद में बराबर उपस्थित रहकर चर्चा में भाग लेते हुए वे संसद सदस्यों को देशहित के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान करते रहे हैं। यदि कुछेक घटनाओं को छोड़ दें तो संसद की उत्पादकता में भी भारी वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री के अथक कार्य से हर देशवासी को अब आशा की नई किरण दिखाई पड़ रही है।

श्री अमित शाह बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

9 जुलाई 2014 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने पार्टी के नए अध्यक्ष के नाते श्री अमित शाह के नाम की घोषणा की। गृहमंत्री बनने के बाद 'एक व्यक्ति-एक पद' सिद्धांत के अनुरूप अपने त्यागपत्र की घोषणा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि आज से और अभी से श्री अमित शाह भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री शाह को मिठाई खिलाकर बधाई दी। श्री राजनाथ सिंह ने श्री अमित शाह को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को उत्तर

प्रदेश में असाधारण सफलता मिली। उनमें गजब की सांगठनिक क्षमता है और वे प्रबंधन में माहिर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा संसदीय दल की बैठक में सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष के नाते श्री अमित शाह का नाम तय हुआ। श्री शाह के भाजपा अध्यक्ष बनते ही देशभर में स्थित पार्टी कार्यालयों में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

राष्ट्रीय परिषद् बैठक, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की एक दिवसीय राष्ट्रीय परिषद् बैठक 9 अगस्त 2014 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में संपन्न हुई। इसमें जहां प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपानीत राजग सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की गई, वहीं पार्टी संगठन को सशक्त करने को लेकर भी योजनाएं बनाई गई। बैठक का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने किया। उन्होंने सारगर्भित एवं ओजस्वी भाषण दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वश्री (डॉ.) मुरली मनोहर जोशी, वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह, केन्द्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रीगण श्री शिवराज सिंह चौहान (मध्य प्रदेश), श्रीमती वसुंधरा राजे (राजस्थान), श्रीमती आनंदी बेन (गुजरात), डॉ. रमन सिंह (छत्तीसगढ़), श्री मनोहर पर्रिकर (गोवा) सहित भाजपा विधायक, सांसद, पदाधिकारी समेत प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। लोकसभा चुनाव 2014 के बाद हुई पार्टी की पहली राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने यह आह्वान करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को कांग्रेस से मुक्त करने का आह्वान किया था, मगर भारत कांग्रेस मुक्त तभी होगा जब हम उसे भाजपा युक्त करेंगे।

संगठन पर्व

- भाजपा में प्रत्येक छः वर्षों के अंतराल पर सदस्यता अभियान का प्रचलन रहा है। श्री अमित भाई ने पार्टी अध्यक्ष का पद ग्रहण करने के तुरंत बाद अगस्त 2014 में दिल्ली में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पार्टी के संविधान में संशोधन लाकर सदस्यता अभियान को नया और प्रभावी स्वरुप दिया। इसमें ऑनलाइन सदस्यता को मान्यता दी गई।
- श्री अमित शाह व उनकी पूरी टीम ने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिन-रात कठिन परिश्रम किया और इस दौरान 39,681 किमी की यात्रा करके देश के सभी राज्यों में प्रवास किया। इन अथक प्रयासों का ही प्रभाव था कि पार्टी ने पूर्व के सारे कीर्तिमानों को तोड़ते हुए सदस्यों की संख्या 2,47,32,439 से लगभग पांच गुना बढ़ा कर 11,20,55,750 तक पहुंचा दी।
- सदस्यता अभियान को गति देने के लिए 50 से भी अधिक प्रकार के अलग अलग कार्यक्रम पार्टी द्वारा किये गए।
- सदस्यता अभियान की पारिदर्शिता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहली बार सभी नए बने सदस्यों के नाम के साथ-साथ उनका पता और फोन नंबर भी संग्रहित किया जा सका।
- आन्ध्र प्रदेश, असम, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे सात सांगठनिक एवं चुनावी सफलता की दृष्टि से कमजोर राज्यों में सदस्यता अभियान के दौरान विशेष ध्यान दिया गया। इन प्रयासों के परिणाम उत्साहवर्धक थे, जो कि पार्टी के उज्ज्वल भविष्य को इंगित करते हैं।
- विभिन्न राज्यों में 5500 पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं ने छः महीने तक सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई।
- सदस्यता अभियान में उत्तरपूर्व एवं केन्द्रशासित राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए उनको केंद्र में रख कर बैठकें की गयीं।

महासम्पर्क अभियान

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 1 मई को भारतीय जनता पार्टी का संपर्क अभियान प्रारम्भ किया। सदस्यता पूर्ण होने पर सभी सदस्यों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके, उन्हें पार्टी की जानकारी (इतिहास, विकास व उपलब्धियों) का पत्रक व सरकार की उपलब्धियों की पुस्तिका देकर घर-घर कार्यकर्ताओं का जाना हुआ है।

प्रधानमंत्री जी के घर से संपर्क अभियान की शुरुआत होकर, घर-घर तक कार्यकर्ताओं की टीम ने लगातार कार्य किया है।

क्रमशः...